राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,27 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–330 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल ने गांधी, नेहरू, इंदिरा और वाजपेयी की समाधियों पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री की समाधियों के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता रहे और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि पर सोमवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। गांधी ने सबसे पहले अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की समाधि वीर भूमि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने इंदिरा गांधी की समाधि शक्ति स्थल , नेहरू की समाधि शांति वन , लाल बहादुर की समाधि विजय घाट , महात्मा गांधी की समाधि राजघाट और वाजपेयी की समाधि सदैव अटल जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी परिवार का कोई सदस्य या कांग्रेस का कोई शीर्ष नेता पहली बार वाजपेयी की समाधि पर पहुंचा है। वाजपेयी की 25 दिसंबर को जयंती थी। कांग्रेस के अनुसार, पहले राहुल गांधी का शनिवार शाम ही इन नेताओं की समाधियों पर जाने का कार्यक्रम था, लेकिन शनिवार शाम पदयात्रा के पूरा होने में समय लग जाने के कारण इस कार्यक्रम में बदलाव किया गया। भारत जोड़ो यात्रा' में करीब 3,000 किलोमीटर की दूरी तय करके दिल्ली पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने इन प्रमुख नेताओं की समाधियों पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। पदयात्रा करते हुए राहुल और कई अन्य भारत यात्री शनिवार को दिल्ली में दाखिल हुए थे। कन्याकुमारी से सात सितंबर को शुरू हुई यह यात्रा अब तक नौ राज्यों-तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान,हरियाणा और दिल्ली से गुजर चुकी है। यात्रा लगभग आठ दिनों के विराम के बाद उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और अंत में जम्मू कश्मीर की ओर बढ़ेगी।

● गांधी ने सबसे पहले अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की समाधि वीर भूमि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने इंदिरा गांधी की समाधि शक्ति स्थल , नेहरू की समाधि शांति वन , लाल बहादुर की समाधि विजय घाट , महात्मा गांधी की समाधि राजघाट और वाजपेयी की समाधि सदैव अटल जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

वर्धा में मंगलवार से भारतीय दर्शन महासभा का अधिवेशन

वर्धा। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारतीय दर्शन महासभा का 95वां अधिवेशन तथा एशियाई दर्शन सम्मेलन 27 से 30 दिसंबर 2022 तक आयोजित किया जा रहा है। कुलपति ने बताया कि भारतीय दर्शन महासभा के अधिवेशन का मुख्य विषय 'स्वतंत्रता एवं उत्तरदायित्व' होगा तथा दर्शन सम्मेलन का मुख्य विषय 'पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन के लिए दर्शन' होगा। सम्मेलन का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में टैगोर कल्चरल कॉम्प्लेक्स स्थित निराला प्रेक्षाग में मंगलवार 27 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे होगा। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश की कुलपति आचार्या नीरजा अरुण गुप्ता उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि होंगी। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वर्धा के सांसद रामदास तडस उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथिगण के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के सदस्य सचिव आचार्य सच्चिदानंद मिश्र, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के आचार्य गोविंद शरण उपाध्याय,भारतीय दर्शन महासभा की कार्य समिति के अध्यक्ष आचार्य एस. आर. भट्ट, साधारण अध्यक्ष आचार्य एल. पी. सिंह, गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रशांत बोकारे और कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मधुसूदन पेन्ना भाग लेंगे। चार दिवसीय सम्मेलन में देश-दुनिया के चार सौ विद्वान दर्शनविद्, अध्येता, अध्यापक और शोधार्थी भाग लेंगे। सम्मेलन में दर्शन जगत के विभिन्न विषयों पर विमर्श किया जाएगा। प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न समानांतर सत्रों में प्रतिभागी विद्वान अपने प्रपत्रों का वाचन करेंगे।

मोदी ने नेपाल के नये प्रधानमंत्री प्रचंड को बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री नियुक्त होने पर श्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' को आज बधाई दी।

श्री मोदी ने ट्वीटर पर लिखा,÷नेपाल के प्रधानमंत्री चुने जाने पर कॉमरेड प्रचंड को बहुत बहुत बधाई। भारत एवं नेपाल के बीच अद्वितीय संबंध हमारे प्रगाढ़ सांस्कृतिक संबंध और हमारी जनता के बीच घनिष्ठ संबंधों पर आधारित हैं। मैं इस मैत्री को और मज़बूत करने के लिए आपके साथ काम करने को उत्सुक हूं।

नेपाल के आम चुनावों के बाद नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नेता प्रचंड ने चुनाव के पश्चात पाला बदल कर नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) के साथ गठबंधन कर लिया और दोनों पार्टियों के समझौते के तहत श्री प्रचंड ने सरकार बनाने का दावा किया और राष्ट्रपति बिद्यादेवी भंडारी ने उन्हें देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया। श्री प्रचंड आज प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

कथावाचक देवकीनंदन महाराज को मिली जान से मारने की धमकी...कथा पंडाल की सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली। कथावाचक देवकीनंदन महाराज को जान से मारने की धमकी मिली है। देवकीनंदन महाराज को फोन पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। देवकीनंदन महाराज के मुताबिक उन्हें सऊदी अरब के एक नंबर से कॉल आया और उनको जान से मारने की धमकी दी गई। महाराज ने इसकी शिकायत दर्ज कराई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर देवेंद्र फडणवीस और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से एक्शन लेने की अपील की गई है। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज इन दिनों महाराष्ट्र के खारघर में कथा वाचन कर रहे हैं। उनको सऊदी अरब से आई कॉल पर कॉलर ने महाराज को अश्लील गालियां देते हुए हिंदू धर्मगुरु को चौक पर जिंदा जलाने की धमकी दी। देवकीनंदन महाराज ने बताया कि फ़ोन पर धमकी देने वाले शख्स ने उनसे मुसलमानों से दूर रहने की भी नसीहत दी है। देवकीनंदन महाराज को मिली

धमकी पर महाराष्ट्र पुलिस ने संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है और साथ ही कथा पंडाल में भी कड़ी सुरक्षा कर दी गई है। ठाकुर श्री प्रियाकान्त जू मंदिर की संस्था की ओर से इस सबंध में 298, 504, 506, 507 धाराओं के तहत एक एन.सी.आर खारघर थाने में दर्ज कराई गई है। इससे पहले भी अप्रैल में मुंबई के वासिम में हनुमान जयंती पर रामभक्तों के साथ शोभायात्रा निकालने पर भी उन्हें दुबई से जान से मार देने की धमकी भरा फोन आया था।

धमकियां मुझे रोक नहीं सकती- देवकीनंदन- देवकीनंदन महाराज ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि मैं अपने धर्म के लिए काम करता हूं और हमेशा करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं किसी धर्म के खिलाफ नहीं हूं, न ही किसी धर्म की बुराई करता हूं। महाराज जी ने कहा कि अपनी सभ्यता और संस्कार के लिए मैं हमेशा काम करूंगा। किसी की धमकियां मुझे रोक नहीं सकती हैं। धर्मगुरु ने महाराष्ट्र पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुलिस ने हमारी सुरक्षा के मामले को गंभीरता से लिया है और कथा पंडाल की और मेरी सुरक्षा बढ़ा दी।

नेताओं का दल-बदल और लगातार होती हार, पूर्वोत्तर में कैसे होगी कांग्रेस की नैया पार

नई दिल्ली। कभी पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी ताकत रही कांग्रेस अब राजनीतिक तस्वीर में बने रहने के लिए भी संघर्ष करती नजर आ रही है। खास बात है कि साल 2023 में मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा में भी चुनाव होने हैं। इन तीनों ही राज्यों में लगातार चुनावी हार और नेताओं के दल बदल से कांग्रेस की हालत नाजुक है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी एक राज्य में सरकार चला रही है। जबकि, दो अन्य जगहों पर सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। हाल ही में कांग्रेस को गुजरात में भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश से पार्टी के लिए अच्छी खबर आई। एक ओर जहां गुजरात में कांग्रेस की सीटों की संख्या 77 से गिरकर 17 पर आ गई थी। जबकि, हिमाचल में पार्टी ने 40 सीटें हासिल कर सरकार बनाई थी।

मेघालय-साल 2018 में 60 में से 21 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी कांग्रेस सरकार बनाने में असफल रही थी। पार्टी के हालात इतने बिगड़े की बीते पांच सालों में अधिकांश नेता साथ छोड़कर तृणमूल कांग्रेस या नेशनल पीपुल्स पार्टी में शामिल हो गए हैं। दल बदल की शुरुआत मार्टिन एम दांगू से हुई थी। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल सांगमा 11 और विधायकों के साथ टीएमसी में शामिल हो गए। इसके अलावा तीन विधायकों क्लीमेंट मारक, डेविड नोंगरम और आजाद जमन के निधन से भी पार्टी को झक्का लगा। इसी बीच कांग्रेस ने एम अमपरीन लिंगडोह और उनके चार साथियों को एनपीपी का समर्थन करने के चलते बाहर का रास्ता दिखा दिया।

नगालैंड-60 सीटों वाली नगालैंड विधानसभा में कांग्रेस का कोई विधायक नहीं है। कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख के थीरी कह रहे हैं कि पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन जानकार दल की संभावनाओं पर आशंकाएं जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है, पार्टी में प्रभावशाली नेताओं की कमी है। साल 2018 में कांग्रेस ने 18 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन कोई भी नहीं जीता। प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि निष्पक्ष चुनाव में हार और शर्मिंदगी से ज्यादा बुरा पार्टी के टिकट पर जीतने के बाद विधायकों का छोड़कर जाना है।

त्रिपुरा-साल 2018 में यहां कांग्रेस 59 में से एक भी सीट जीतने में असफल रही थी। इस साल फरवरी में पार्टी को भाजपा के दो विधायक सुदीप रॉय बर्मन और आशीष कुमार साहा के आने से बल मिला है। कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं की पार्टी में वापसी से कांग्रेस के युवा नेताओं में उत्साह है, लेकिन जानकारों का मानना है कि फिलहाल पार्टी मौजूदा सरकार अपने बल पर उखाड़ फेंक नहीं सकती। साल 2013 में 45.75 फीसदी वोट हासिल करने वाली कांग्रेस 2018 में 1.86 प्रतिशत पर आ गई थी। इतना ही नहीं 2019 में भी पार्टी एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत सकी थी।

श्रद्धा मर्डर केस में दिल्ली पुलिस के हाथ लगा बड़ा सबूत, आफताब का मिला ऑडियो

नई दिल्ली। श्रद्धा मर्डर केस में जांच कर रही दिल्ली पुलिस को एक बड़ा सबूत हाथ लग है। जिसमें पुलिस ने बताया कि मर्डर से पहले आफताब और श्रद्धा के बीच जमकर लड़ाई हुई थी। दरअसल, पुलिस को आफताब का एक ऑडियो मिला है जिसमें आफताब श्रद्धा से लड़ाई झगड़ा कर रहा है। इस ऑडियो में यह भी पता लगा रहा है कि आफताब श्रद्धा को टॉर्चर कर रहा था। यह ऑडियो दिल्ली पुलिस के लिए एक बड़ा सबूत है। पुलिस इसी ऑडियो से आफताब की आवाज का मिलान करने के लिए उसका वॉयस सैंपल लेगी.। फिलहाल आफताब अभी तिहाड़ जेल में

बंद है। उसे सोमवार सुबह 8 बजे तिहाड़ जेल से सीबीआई ले जाएगी। जहां उसका वॉयस सैंपल लिया जाएगा। इससे पहले पुलिस पूछताछ में आफताब ने बताया था कि उसने ही श्रद्धा की हत्या की है। आफताब ने बताया था कि श्रद्धा से उसका 18 मई को झगड़ा हुआ था और इसके बाद उसने श्रद्धा की गला दबाकर हत्या कर दी थी। आफताब ने इसके बाद श्रद्धा के शव के 35 टुकड़े कर महरौली के जंगलों में फेंक दिए थे। बता दें कि इस पूरे मामले का खुलासा पुलिस ने 12 नवंबर को किया था इसी दिन पुलिस ने आफताब को गिरफ्तार भी किया था।

भारत में भी चीन जैसी 'सुनामी' लाएगा BF.7 वैरिएंट? एक्सपर्ट्स ने ताजा शोध में किया खुलासा

नई दिल्ली। चीन में कोरोना महामारी अब तक का सबसे बड़ा हमला कर रहा है। यहां कोरोना का प्रकोप अपने प्रचंड रूप में है। तकरीबन दो साल तक जीरो कोविड पॉलिसी के चलते लोग घरों में कैद थे, अब नियमों में ढिलाई के साथ वे बाहर तो आ गए लेकिन मौत उनका पीछा नहीं छोड़ रहा है। भयावहता का अंदाजा इसी बात से लग सकता है कि कई शहरों में रोजाना लाखों नए केस आ रहे हैं। अस्पताल और श्मशान घाट फुल हैं। कई दिनों तक की वेटिंग चल रही है। चीन में खतरनाक रूप से फैल रहे कोरोना के नए वैरिएंट BF.7 का असर भारत में भी पड़ेगा? इसे लेकर भारतीयों में उलझन भी है और डर भी। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि चीन जितना बुरा

हाल भारत में नहीं होने वाला। इस बीच एक नई रिसर्च ने सरकार के कान खड़े कर दिये हैं। कोरोना महामारी को लेकर बेपरवाह शी जिनपिंग सरकार के कारिस्तान का आलम यह है कि आज करीब हर शहर में रोजाना लाखों केस आ रहे हैं। बीएफ.7 वैरिएंट इतनी तबाही मचा रहा है कि शवों के बीच मरीजों का इलाज हो रहा है। श्मशान घाट में अंतिम संस्कार और अस्पताल में भर्ती के लिए कई दिनों तक वेटिंग चल रही है।

क्या कहती है ताजा रिसर्च- विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में कोविड की स्थिति चीन की तरह खराब नहीं हो सकती है। क्योंकि पड़ोसी देश चीन में बढ़ते मामलों में स्पाइक चलाने वाला प्राथमिक वैरिएंट भारत के लिए नया नहीं है। सीएसआईआर- सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारतीय पहले ही इस वैरिएंट के स्पाइक को अपने शरीर में झेल चुके हैं। हमारे शरीर में इस वैरिएंट के खिलाफ एम्युनिटी विकसित हो चुकी है।

उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी, अभी और बढ़ेगी कंपकंपी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा सहित देश के कई राज्य कड़ाके की सर्दी की चपेट में हैं। शीतलहर भी चल रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी है कि अगले कुछ दिनों तक उत्तरी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, और हिमाचल प्रदेश में भीषण सर्दी की स्थिति रहेगी। दिल्ली में भी अगले 24 घंटों में कड़ाके की सर्दी की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में पूरे उत्तर भारत में भारी शीतलहर की चेतावनी जारी की है। पंजाब में रविवार को भी कड़ाके की सर्दी जारी रही। शीतलहर के कारण लोग घरों में दुबके रहे।

शुष्क मौसम के बीच ठिठुर रहा जम्मू कश्मीर, पारा और गिरा

जम्मू कश्मीर में तापमान हर दिन गिर रहा है। गलन भरी ठंड ने जनजीवन को मुश्किल कर दिया है। कश्मीर में लगभग सभी क्षेत्रों का न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से काफी नीचे चला गया है। कड़ाके की ठंड की वजह से कश्मीर के कई इलाकों में नलों में पानी जम गया है। डल झील के अंदरूनी हिस्से भी जम गए हैं। अन्य जलस्त्रोतों की भी यही स्थिति है।

जम्मू भी शीतलहर से ठिठुर रहा है। जम्मू संभाग के पहाड़ी क्षेत्रों में भी रात का पारा शून्य से नीचे या इसके आसपास ठिठुर रहा है। सोमवार को भी मौसम शुष्क रहेगा। 30 दिसंबर तक बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान वर्षा और हिमपात के पूरे आसार हैं।

कश्मीर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया।

श्रीनगर का न्यूनतम तापमान माइनस 5.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो इस सीजन में सबसे कम है। शनिवार-रविवार रात को जम्मू का तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस रहा। सर्दी के इस सीजन में यह सबसे कम तापमान है।

चारधाम समेत अन्य चोटियों में हल्का हिमपात

उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बीते दो दिन से प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में बादल मंडरा रहे हैं। चारधाम समेत अन्य चोटियों में हल्का हिमपात होने से ठिठुरन बढ़ गई है। मैदानी क्षेत्रों में सर्द हवाएं कंपकंपी छुटा रही हैं। मौसम के करवट बदलने से कई क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में एक से चार डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है। सोमवार को भी उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात के आसार हैं।

उत्तर प्रदेश में तीन दिन बाद फिर चलेगी पछुआ, गिरेगा तापमान

मौसम विभाग के अनुसार उप्र में तीन दिनों तक तापमान में कुछ खास बदलाव नहीं होंगे। उसके बाद पश्चिमी हवाओं के चलते तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में घने कोहरे को लेकर चेतावनी जारी की गई है। 28 दिसंबर तक कोहरा परेशान करेगा। रविवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस पर रहा।

सबसे अधिक ठंडा रहा बठिंडा

पंजाब के ज्यादातर इलाकों में रविवार को कड़ाके की सर्दी पड़ी। कई शहरों में दिन भर धूप नहीं निकली। इससे दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बठिंडा रविवार को सबसे अधिक ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले चार-पांच दिन कड़ाके की सर्दी पड़ेगी।

सफेद चादरों से ढका उत्तर सिक्किम

उत्तर सिक्किम का क्षेत्र रविवार सुबह सफेद चादरों से ढक गया। बर्फबारी होते ही यहां पर्यटकों का आना शुरू हो जाता है और हिमपात होते ही पर्यटक इसका लुत्फ उठाने भी आते हैं। इस दृष्टि से पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के चेहरे खिल उठे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नेपालः कुर्सी ही ब्रह्म है

ये तीनों बड़े नेता तीन पार्टियों के संचालक हैं। पहली नेपाली कांग्रेस है और शेष दो कम्युनिस्ट पार्टियॉं हैं। ये तीन पार्टियाँ एक-दूसरे की भयंकर विरोधी रही हैं। इनके कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे की हत्याएं भी की हैं और इन्होंने एक-दूसरे से मिलकर सरकारें भी बनाई हैं और अनबन होने पर बीच में ही वे सरकारें गिरती भी रही हैं।

लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

लगभग हजार साल पहले राजा भर्तृहरि ने राजनीति के बारे में जो श्लोक लिखा था नेपाल की राजनीति ने उसकी सच्चाई उजागर कर दी है। उस श्लोक में कहा गया था- 'वारांगनेव नृपनीत्रिनेकरूपा-' अर्थात राजनीति वेश्याओं की तरह अनेकरूपा होती है याने वह मौके-मौके पर अपना रूप बदल लेती है। नेपाल में कल तक पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' और शेरबहादुर देउबा मिलकर सरकार बना रहे थे लेकिन अब प्रचंड और के.पी.ओली आपस में अचानक मिल गए हैं और वे अब अपनी सरकार बना रहे हैं। ये तीनों बड़े नेता तीन पार्टियों के संचालक हैं। पहली नेपाली कांग्रेस है और शेष दो कम्युनिस्ट पार्टियॉं हैं। ये तीन पार्टियाँ एक-दूसरे की भयंकर विरोधी रही हैं। इनके कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे की हत्याएं भी की हैं और इन्होंने एक-दूसरे से मिलकर सरकारें भी बनाई हैं और अनबन होने पर बीच में ही वे सरकारें गिरती भी रही हैं। याने कुर्सी ही ब्रह्म है सिद्धांत और नीति मिथ्या हैं। अब प्रचंड प्रधानमंत्री बने रहेंगे पहले ढाई साल तक और शेष ढाई साल के.पी. ओली बनेंगे। यदि प्रचंड को देउबा अपने से पहले प्रधानमंत्री बनने देते तो वे दुबारा प्रधानमंत्री बन सकते थे लेकिन पिछले चुनाव में उनकी नेपाली कांग्रेस को 89 सीटें मिलीं और प्रचंड की पार्टी को सिर्फ 32 सीटें। नेपाली कांग्रेस प्रचंड की पार्टी को संसद का सिर्फ अध्यक्ष पद देना चाहती थी लेकिन राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पद खुद के पास रखना चाहती थी। इसीलिए प्रचंड ने आनन-फानन अपने प्रतिद्वंदी कॉमरेड ओली को पटाया और उनकी पार्टी के 78 सदस्यों तथा अन्य पार्टियों के सदस्यों को जोड़कर 168 सदस्यों का गठबंधन खड़ा कर लिया। 275 सदस्यों की संसद में इस गठबंधन का स्पष्ट बहुमत हो गया। लेकिन अब सवाल यही है कि यह सरकार चलेगी कब तक? नेपाल में सरकारों का कार्यकाल इधर जितना छोटा होता गया है शायद उतना किसी भी देश में नहीं रहा है। यह सरकार भी कैसे चलेगी? प्रधानमंत्री प्रचंड के 32 सदस्य हैं और ओली के 78 सदस्य! ओली जब चाहेंगे प्रचंड की कुर्सी खींच लेंगे या उन्हें अपने चिमटे से दबाए रखेंगे। कोई आश्चर्य नहीं कि कुछ माह में ही हम काठमांडो में नए गठबंधन को उभरते हुए देख लें। जो भी हो प्रचंड और ओली के गठबंधन से यदि सबसे ज्यादा खुशी किसी को होगी तो वह चीन को होगी। दोनों ही चीन के समर्थक हैं। ओली ने तो तीन भारतीय क्षेत्रों को अपने नए नक्शों में नेपाली बता दिया था। यह सीमा-विवाद तो तूल पकड़ ही सकता है 1950 की भारत-नेपाल संधि भी एक विवादग्रस्त मुद्दा है। दोनों नेता जब एक दशक तक सत्ता-विरोधी हिंसक संघर्ष में जुटे हुए थे तब उन्होंने भारत पर भी जमकर वार किए थे। अब दोनों एक होकर देखिए क्या करते हैं? लेकिन भारत को अपने राष्ट्रहितों की रक्षा के लिए अभी विशेष सतर्क रहना होगा।

सूक्ति

अनुभव-प्राप्ति के लिए काफ़ी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती। - अज्ञात

अधिकतर लोग नए साल की प्रतीक्षा केवल इसलिए करते हैं कि पुरानी आदतें नए सिरे से फिर शुरू की जा सकें। - अज्ञात

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर (बेहोश मरीज को देखकर)- यह तो मर गया है।

मरीज (होश में आकर)- मैं तो जीवित हूं। मरीज की पत्नी- कुछ तो सोच समझकर बोला कीजिए, इतने बड़े डॉक्टर हैं झूठ बोलेगे क्या?

□ □ □

पत्नी- कुछ साल पहले तुमने मुझसे कहा था कि तुम स्वर्ग में रहने की बजाय मेरे साथ नर्क में रहना पसद करोगे।

पति- बदकिस्मती से मेरी इच्छा पूरी हो गई।

□ □ □

परसों रात तुम कहा थी? वकील ने युवती से पूछा।

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्तरां में खाना खाने गई थी। और कल रात? वकील ने दूसरा सवाल पूछा।

युवती- एक दूसरे पड़ोसी के साथ। और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है? वकील ने धीरे से पूछा।

'ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड' दूसरा वकील चिल्लाया, यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

नवीन , 'पापा, पानीपत की पहली लड़ाई कहां पर हुई थी?'

पापा, 'इतना भी पता नही, स्कूल में क्या करने जाता हैं। कल पूछ कर आना अपने टीचर से।'

उपग्रही कचरे से आकाशीय पर्यावरण को खतरा

मुकुल व्यास

जलवायु परिवर्तन और उपग्रहों की बढ़ती भीड़ से पृथ्वी के निकटवर्ती अंतरिक्ष का पर्यावरण भी बिगड़ने लगा है। इससे आने वाले समय में पृथ्वी की कक्षा में तैनात उपग्रहों के लिए खतरा बढ़ जाएगा। जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म हो रही है, उसके वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर भी बढ़ रहा है। वैज्ञानकों का कहना है कि ऊपरी वायुमंडल में इस गैस का बढ़ा हुआ स्तर वायु घनत्व में दीर्घकालिक गिरावट का कारण बनेगा। यह कम घनत्व ऊपरी वायुमंडल में 90 और 500 किलोमीटर की ऊंचाई पर परिक्रमा करने वाली वस्तुओं पर खिंचाव को कम करेगा। इससे अंतरिक्ष मलबे का जीवनकाल बढ़ेगा और उपग्रहों के साथ मलबे के टकराव की संभावना बढ़ जाएगी। यदि ये उपग्रह, जिनकी कीमत अरबों डॉलर है, नष्ट हो जाते हैं तो इन टक्करों से गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं क्योंकि समाज नौसंचालन प्रणालियों, मोबाइल संचार और पृथ्वी की निगरानी के लिए उपग्रहों पर अधिक से अधिक निर्भर होता जा रहा है। जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित ब्रिटिश एंटार्कटिक सर्वे के एक ताजा अध्ययन में अगले 50 वर्षों में ऊपरी वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन का पहला यथार्थवादी अनुमान प्रस्तुत किया गया है। हालांकि, कई अध्ययनों ने निचले और मध्य वायुमंडल में होने वाले परिवर्तनों की पड़ताल की है, अधिक ऊंचाई पर होने वाले परिवर्तनों पर बहुत कम शोध हुआ है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार मार्च, 2021 तक पृथ्वी की निचली कक्षा में 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक लगभग 5,000 सक्रिय और निष्क्रिय उपग्रह थे। यह संख्या पिछले दो वर्षों में 50 प्रतिशत बढ़ गई थी। कई कंपनियां अगले दशक में हजारों और उपग्रह जोड़ने की योजना बना रही हैं। सेवामुक्त कर दिए जाने के बाद भी उपग्रह परिक्रमा करना जारी रखते हैं, लेकिन वायुमंडलीय खिंचाव के कारण उनकी रफ्तार धीरे-धीरे धीमी हो जाती हैं। वे नीचे आने लगते हैं और अंततः निचले वायुमंडल में पहुंच कर जल जाते हैं। अंतरिक्ष मलबे से संबंधित समन्वय कमेटी द्वारा निर्धारित वर्तमान दिशा-निर्देश सलाह देते हैं कि उपग्रह संचालक यह सुनिश्चित करें कि निष्क्रिय किए गए उपग्रह 25 वर्षों के भीतर कक्षा से हट जाएं। लेकिन कम वायुमंडलीय घनत्व से प्लानिंग और गणना में त्रुटियां उत्पन्न होंगी। निचले वायुमंडल की तुलना में मध्य और ऊपरी वायुमंडल ठंडा हो रहा है। इससे घनत्व कम होगा। परित्यक्त उपग्रहों और अंतरिक्ष मलबे के खिंचाव पर इसका असर पड़ेगा। कम खिंचाव से इन वस्तुओं का जीवनकाल बढ़ जाता है। वस्तुएं लंबे समय तक कक्षा में रहती हैं और इन वस्तुओं का सक्रिय उपग्रहों के साथ-साथ अन्य अंतरिक्ष मलबे के साथ टकराने का अधिक खतरा होता है। यूरोपियन स्पेस एजेंसी के अनुसार पृथ्वी की निचली कक्षा में 10 सेंटीमीटर अधिक व्यास वाले 30,000 से अधिक मलबे के टुकड़े और 1 सेंटीमीटर से बड़े दस लाख टुकड़े मौजूद हैं। उपग्रह उद्योग और नीति निर्धारकों के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि जलवायु परिवर्तन ऊपरी वायुमंडल को कैसे प्रभावित करेगा। टक्कर के जोखिम के कारण अंतरिक्ष मलबा उपग्रह ऑपरेटरों के लिए एक बड़ी समस्या बन रहा है। ऊपरी वायुमंडल के घनत्व में दीर्घकालिक गिरावट के कारण यह समस्या बदतर हो रही है। पृथ्वी की निम्न कक्षा में मौजूद ऑब्जेक्ट प्रकाश प्रदूषण उत्पन्न करते हैं जिसकी वजह से पृथ्वी से अंतरिक्ष का पर्यवेक्षण करने वाले खगोल वैज्ञानिकों को कठिनाई होती है। एडिनबरा विश्वविद्यालय द्वारा किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि पृथ्वी की सतह से करीब 480 किलोमीटर ऊपर परिक्रमा कर रहे उपग्रहों की भीड़ से अंतरिक्ष की बहुमूल्य पर्यावरणीय प्रणाली को खतरा पैदा हो रहा है। पृथ्वी पर ब्रॉडबैंड सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैनात किए इन सैकड़ों उपग्रहों की वजह से पृथ्वी की निम्न कक्षा बहुत तंग होती जा रही है। इसके अलावा बार-बार छोड़े जाने वाले रॉकेट भी वायुमंडल को प्रदूषित कर रहे हैं। स्पेसएक्स कंपनी 13000 उपग्रह तैनात करने वाली है और एमेजॉन भी 2025 तक हजारों उपग्रहों की तैनाती की योजना बना रही है। आने वाले दिनों में दूसरे देश भी ऐसी ही योजनाएं बना रहे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अंतरिक्ष में भिड़ंत के करीबी मामलों में आधे से ज्यादा का संबंध स्पेस एक्स के स्टारलिंक उपग्रहों से है। स्पेस एक्स जैसे उपग्रह ऑपरेटरों को अंतरिक्ष में किसी अन्य उपग्रह या मलबे के टुकड़े से भिड़ंत से बचने के लिए निरंतर उपाय करने पड़ते हैं। साउथहैम्पटन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि पृथ्वी की कक्षा में सैकड़ों स्टारलिंक उपग्रहों की मौजूदगी से खतरनाक भिड़ंतों का खतरा बढ़ता रहेगा। शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि हर सप्ताह स्टारलिंक उपग्रहों की अन्य उपग्रहों के साथ करीबी भिड़ंत के औसतन 1600 मामले होते हैं। कुछ मामलों में तो दो ऑब्जेक्ट एक-दूसरे के ढाई किलोमीटर नजदीक आ गए थे। यदि अंतरिक्ष में दो उपग्रह टकराते हैं तो उससे मलबे का बादल उत्पन्न होगा जो उसी क्षेत्र में कार्य कर रहे दूसरे उपग्रहों के लिए खतरा बन सकता है। खगोल वैज्ञानिकों का मत है कि पृथ्वी के पर्यावरण की रक्षा के लिए बनाए जाने वाले नियम और कानून पृथ्वी से सटे अंतरिक्ष पर भी लागू होने चाहिए। उनका मानना है कि हमारा अंतरिक्ष पेशेवर और शौकिया खगोल वैज्ञानिकों के अलावा एक नई अंतरिक्ष आधारित अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष को नुकसान पहुंचाने वाले पर्यावरणीय प्रभावों के मद्देनजर अंतरिक्ष के वैज्ञानिक, आर्थिक और सांस्कृतिक लाभों पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीति-निर्धारकों को ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए स्थापित की जाने वाली उपग्रह शृंखलाओं के समस्त पर्यावरणीय पहलुओं पर विचार करना चाहिए जिनमें उपग्रहों का प्रक्षेपण, उनका संचालन और उन्हें कक्षा से हटाना शामिल है। अंतरिक्ष विज्ञान में निरंतर प्रगति के बाद उपग्रह प्रक्षेपण की लागत कम हो रही है। लागत कम होने से उपग्रहों की संख्या भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हम कम खर्च पर अनेक उपग्रह छोड़ सकते हैं और पृथ्वीवासियों के लाभ के लिए उनका उपयोग कर सकते हैं। लेकिन इसकी हमें भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इस अध्ययन से जुड़े वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि उनके शोध से अंतरिक्ष प्रदूषण की समस्या को नियंत्रित करने के लिए उचित कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। इससे यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि ऊपरी वायुमंडल भविष्य में उपयोग योग्य संसाधन बना रहे। लेखक वैज्ञानिक विषयों के जानकार हैं।

ब्रह्माकुमारीज इवेंट दया और करुणा के साथ मिले न्याय !

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ओम शांति रिट्रीट सेंटर गुरुग्राम परिसर में हुए 24 से 26 दिसंबर तक हुए तीन दिवसीय राष्ट्रीय जुरिष्ट सम्मेलन में न्यायमूर्तियों ने माना कि दया व करुणा न्याय प्रदान करने में मददगार सिद्ध होती है।उन्होंने माना कि सबसे बड़ा जज परमात्मा है जो न्याय प्रदान करने में सबसे बड़ा मददगार है।न्यायधीश भी मानते है कि वे न्याय देने के लिए निमित्त मात्र है परमात्मा उन्हें निमित्त बनाकर न्याय कराता है।यदि हम परमात्म याद में रहकर न्यायिक कार्य करे तो बेहतर न्याय दिया जा सकता है।गुरुग्राम ओआरसी के इस न्यायविदों के राष्ट्रीय सम्मेलन में बड़ी संख्या में न्यायाधीशोंवरिष्ठ अधिवक्ताओं व न्यायिक शिक्षाविदों ने भाग लिया ।जिन्होंने आध्यात्मिकता के साथ न्याय के प्रयोग को प्राथमिकता दी।सम्मेलन में देश के मुख्य न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा ने सपत्नीक भाग लिया और न्यायिक सेवाकाल के अपने अनुभव साझा किए।उनका कहना है कि जब हम न्यायिक प्रक्रिया के तहत होते है तो उस समय सही दिशा और सत्य के रूप में न्याय की आवश्यकता होती है। उनका मानना है कि परमात्मा का सान्निध्य सही रूप में यदि हो जाए तो हम हर किसी के साथ सही न्याय कर सकते है। उन्होंने कई पीड़ितों को कानून की परिधि में रहकर भी प्राकृतिक न्याय देने के किस्से सुनाए। पूर्व न्यायाधीश सर्वेश कुमार गुप्ता ने कहा कि उनसे अधिक विद्वान अधिवक्तागण है जिनके विधिक तर्को व प्रस्तुत नजीरों के बल पर हम न्याय कर पाते है। उन्होंने कहा कि कई केस बहुत ही उलझे हुए होते हैजिनको सुलझाने में राजयोग के अभ्यास से एकाग्र होकर हम निष्कर्ष तक पहुंच सकते है। जब हम न्यायिक प्रक्रिया के तहत होते है तो उस समय सही दिशा और सत्य न्याय की आवश्यकता ही हमे न्याय देने में मदद करती है। उन्होंने माना कि परमात्मा का सान्निध्य सही रूप में यदि हो जाए तो हर किसी के साथ सही न्याय हो जाएगा। उन्होंने माना कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान का राजयोग ध्यान मनुष्य के जीवन में तरक्की का रास्ता खोलता है। इसलिए हमें जीवन में राजयोग को अपनाने का प्रयास करना चाहिए।उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि ब्रह्माकुमारीज का शांत व सौम्य वातावरण देखकर ही महसूस होता है कि यहां अनुपम आध्यात्मिक सशक्तिकरण हैं।सम्मेलन में न्यायिक शिक्षाविद प्रोफेसर बाबू लाल यादव ने कहा कि देश के हर वर्ग को न्याय मिलेयह बेहद आवश्यक है।यह भी आवश्यक है कि हमारा समाज अपराध मुक्त बने। इस देश में हर एक को सुख शांति प्रेम से रहने अपनी बात कहने खुशी का इजहार करने अपने संस्कार और धर्म के हिसाब से जीने का अधिकार है।उन्होंने ईश्वरीय ज्ञान को धारण कर न्यायिक सेवा करने के सार्थक परिणामो की जानकारी दी। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशक राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि जहां नारियों को सम्मान होता है वहां न्याय मिलना ओर सहज हो जाता है। वही देवता भी निवास करने लगते हैं ।श्रीमदभागवत गीता में भगवान कहते हैं जब-जब धर्म की ग्लानि होती है तब तब मैं इस धरती पर अवतरित होकर अधर्म का विनाश करने के लिए न्याय देता हूं।उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था व संस्थापक ब्रह्माबाबा के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी व शंकाओं का समाधान किया।सम्मेलन में सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार शर्मा विधि प्रभाग की उपाध्यक्ष बीके पुष्पाविधि प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके लता ने भी राजयोग के अभ्यास से न्याय की सुगमता को अपने उद्बोधन से सिद्ध किया व न्याय में दया व करुणा की आवश्यकता सिद्ध की।इस बाबत वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि प्रकाश शर्मा का मानना है कि खुशी सिर्फ भौतिक विकास से नहीं मिलती। सच्ची खुशी आंतरिक विकास से प्राप्त होती है।उन्ही के शब्दों में आत्मा के ऊपर छाई कालिमा को कैसे धोया जाय यही महत्वपूर्ण है।वही राजयोगिनी बीके श्रद्धा ने बड़े ही सहज शब्दों में लोगों को खुशी पाने और ईश्वर से जुड़ने का रास्ता बताया। ईश्वरीय व न्याय सेवा कार्य पर जोर देते हुए रिट्रीट सेंटर के किचिन प्रमुख मानते है कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका पुष्पा दीदी खुशी पाने का जतन बताती है और कहती है कि खुशी बाहर की परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करतीहम अपने आप को जानकर ही हमेशा खुश रह सकते हैं। उन्होंने खुशी को स्वधर्म बताया। न्याय विदों के इस सम्मेलन में माउंट आबू से विशेष रूप से पधारे संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन भाई ने बताया कि किस प्रकार हम राजयोग के अभ्यास से स्वयं का सम्बंध परमात्मा से जोड़ सकते है और न्याय प्रदान करने में भी यह विधि कारगर सिद्ध हो सकती है।सम्मेलन में मौजूद डेलीगेट्स का कहना है कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान में आकर उन्हें आत्मिक सुख व असीम शांति की अनुभूति हुई है।लगता है जैसे उनके अंदर सकारात्मक ऊर्जा की बैटरी चार्ज हो गई हो और इससे अब वह नई सोचइन ऊर्जा व नई दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।(लेखक ब्रह्माकुमारीज की मीडिया विंग के आजीवन सदस्य है व वरिष्ठ पत्रकार है)

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए। खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 17 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 17 पैसे ऊपर आकर 82.65 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.79 के स्तर पर खुला और कारोबार के अंत में यह 17 पैसे की बढ़त दिखाते हुए 82.65 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये 82.63 के उच्चस्तर और 82.83 के निचले स्तर पर पहुंचा। इस बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी घटकर 104.31 पहुंच गया।

नए साल से पहले मदर डेयरी ने दो रुपए प्रति लीटर बढ़ाया दूध का दाम आज से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली । नए साल से पहले आम आदमी को महंगाई के मोर्चे पर तगड़ा झटका लगा है। मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर में दूध के दाम बढ़ाने का ऐलान किया है। दिग्गज डेयरी कंपनी ने दूध के दाम में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। नई कीमतें 27 दिसंबर से लागू हो जाएंगी। कंपनी ने लागत बढ़ने का हवाला देते हुए यह फैसला लिया है। इससे पहले कंपनी ने नवंबर में दूध के दाम 2 रुपये बढ़ाए थे। नई कीमतें लागू होने के बाद अब मंगलवार से दिल्ली-एनसीआर में टोंड दूध 51 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 53 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। मदर डेयरी ने फुल क्रीम दूध की कीमत 2 रुपए बढ़ाकर 66 रुपये प्रति लीटर कर दी है। वहीं डबल-टोंड दूध 45 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 47 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। हालांकि मदर डेयरी ने गाय के दूध और टोकन (बल्क वेंडेड) दूध कीमतों में कोई बदवाल नहीं किया है। आपको बता दें कि दूध की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू बजट प्रभावित होगा। आपको बता दें कि इस साल 2022 में मदर डेयरी ने पांच बार दूध के दाम बढ़ाए हैं। कंपनी ने लागत बढ़ने का हवाला देते हुए यह फैसला लिया है। मदर डेयरी ने फुल क्रीम दूध की कीमत 2 रुपये बढ़ाकर 66 रुपये प्रति लीटर कर दी है। बता दें कि दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी द्वारा प्रति दिन 30 लाख लीटर से अधिक दूध सप्लाई किया जाता है।

अगले वर्ष एफएमसीजी सेक्टर की ग्रोथ 10 फीसदी रहने की संभावना

मुंबई । एफएमसीजी सेक्टर पर महंगाई ने ज्यादा असर नहीं दिखाया है। चालू वित्त वर्ष मार्च 2023 तक इनकी बिक्री 7-9 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। संगठित क्षेत्र की कंपनियों की बिक्री इससे ज्यादा 9-11 फीसदी बढ़ सकती है। हाल की तिमाहियों में इस सेक्टर की बड़ी कंपनियां तेजी से असंगठित क्षेत्र हथिया रही हैं। दरअसल देश में खास तौर पर शहरी इलाकों में बिस्किट साबुन टूथ पेस्ट जैसे रोजाना खपत के प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ रही है। इस बीच एफएमसीजी कंपनियों ने कई छोटे-बड़े ब्रांड का अधिग्रहण करके विस्तार की रणनीति अपना रखी है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के मुताबिक अगले वित्त वर्ष भी एफएमसीजी सेक्टर की ग्रोथ 10 फीसदी के आसपास रहने की संभावना है। क्रिसिल के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में संगठित क्षेत्र की एफएमसीजी कंपनियों ने कुल 4.7 लाख करोड़ रुपए की बिक्री की थी। चालू वित्त वर्ष में ये आंकड़ा 5.12 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है जबकि महंगाई 6 फीसदी के आसपास बनी हुई है।

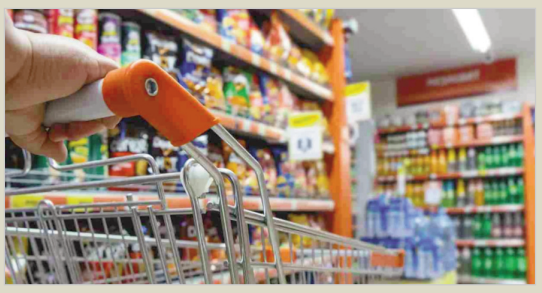

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को भारी तेजी पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 721.13 अंक करीब करीब 1.20 बढ़कर 60566.42 अंकों पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 207.80 अंक तकरीबन 1.17 फीसदी बढ़कर 18014.60 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की इस तेजी में आज निवेशकों को करीब 5.5 लाख करोड़ का लाभ हुआ। आज कारोबार के दौरान सभी क्षेत्रों में उछाल रहा। केवल दवा कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं सरकारी बैंकों के शेयरों में विशेष उछाल आया। पीएसयू बैंक इंडेक्स करीब 7 फीसदी ऊपर आया। वहीं बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.3 फीसदी बढ़कर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 3 फीसदी की बढ़त रही। मेटल इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा मजबूत हुआ। रियल्टी इंडेक्स में 2.5 फीसदी और ऑटो व फाइनेंशियल इंडेक्स में 1.5 फीसदी व एफएमसीजी इंडेक्स में 1 फीसदी बढ़त रही पर फार्मा (दवा) कारोबारी इंडेक्स करीब 1 फीसदी गिरावट रही। आज हैवीवेट शेयरों में खरीदारी का माहौल रहा। सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि 5 नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। लाभ वाले शेयरों में एसबीआई इंससइंड बैंक टाटा स्टील आईटीसीब बजाज फिनसर्व एक्सिस बैंक एचडीएफसी बैंक टाटा मोटर्स शामिल हैं। वहीं नुकसान वाले शेयर हैं कोटकबैंक टाइटन एचयूएल सन फार्मा आदि। बाजार में आज सुबह से ही बढ़त का माहौर रहा।

सोने चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। दस ग्राम सोना बढ़कर 54721 रुपये पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमतों में भी तेजी आई है और अब यह 69050 रुपये में पहुंच गयी हैं। घरेलू बाजार में सोना 121 रुपये ऊपर आकर 54721 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 54600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दूसरी ओर चांदी 100 रुपये की बढ़त के साथ 69050 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गयी।

एनडीटीवी में अडाणी ग्रुप की होगी 64 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । न्यू दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) के फाउंडर प्रणय रॉय और राधिका रॉय एनडीटीवी में अपनी हिस्सेदारी के लगभग सभी शेयर अडाणी ग्रुप को स्थानांतरित करेंगे। इसके बाद उनके पास केवल पांच फीसदी हिस्सेदारी बचेगी। हाल ही में उन्होंने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। इस ट्रांसफर से अडाणी ग्रुप की हिस्सेदारी बढ़कर 64.72 फीसदी हो जाएगी जो अभी 37.45 फीसदी है। राधिका-प्रणय ने कहा कि उन्होंने साल 1988 में एनडीटीवी की शुरुआत इस विश्वास के साथ की थी कि भारत में जर्नलिज्म वर्ल्ड-क्लास है लेकिन एक मजबूत और प्रभावी ब्रॉडकास्ट प्लेटफॉर्म की जरूरत है जो इसे बढ़ने और चमकने दे। उन्होंने कहा कि वह 34 साल बाद मानते हैं कि एनडीटीवी एक ऐसी संस्था है जिसने उनकी बहुत सारी उम्मीदों और आदर्शों को पूरा किया है। राधिका-प्रणय के मुता बिक मीडिया नेटवर्क हालिया ओपन ऑफर के बाद अब एनडीटीवी में सबसे बड़ा शेयरहोल्डर है। नतीजतन आपसी समझौते से हमने एनडीटीवी में अपने अधिकांश शेयरों को मीडिया नेटवर्क को बेचने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि ओपन ऑफर लॉन्च होने के बाद से गौतम अडाणी के साथ उनकी बातचीत सकारात्मक रही है। उनके दिए गए सभी सुझावों को गौतम अडाणी ने सकारात्मक और खुलेपन के साथ स्वीकार किया है। अडाणी ने एक ऐसे ब्रांड में निवेश किया है जो भरोसे विश्वसनीयता और स्वतंत्रता का पर्याय है और हमें आशा है कि वह इन मूल्यों को बनाए रखेंगे। अडाणी ग्रुप ने अगस्त में एनडीटीवी की 29.18 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी।

स्वदेशी परिष्कृत इस्पात का उत्पादन पिछले वर्ष के मुकाबले 6.9 प्रतिशत अधिक हुआः इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली।

इस्पात सेक्टर, निर्माण, अधोसंरचना, मोटर-वाहन, इंजीनियरिंग और रक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण सेक्टरों के लिये केंद्रीय भूमिका निभाता है। सरकार के मुताबिक साल दर साल इस्पात सेक्टर में जबरदस्त प्रगति दर्ज की गई है। देश अब इस्पात उत्पादन में वैश्विक शक्ति बन चुका है तथा कच्चे इस्पात के उत्पादन में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। इस्पात मंत्रालय ने बताया कि स्वदेशी परिष्कृत इस्पात का उत्पादन पिछले वर्ष के मुकाबले 6.9 प्रतिशत अधिक हुआ है।मंत्रालय ने जो जानकारी दी है उसके अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों (अप्रैल-नवंबर 2022) के दौरान इस्पात सेक्टर का प्रदर्शन काफी उत्साहवर्धक रहा है। स्वदेशी परिष्कृत इस्पात का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 73.02 मिलियन टन के मुकाबले 78.090 मिलियन टन (एमटी) रहा, जो 6.9 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष की समान अवधि में 67.32 एमटी के परिष्कृत इस्पात खपत की तुलना में अप्रैल-नवंबर 2022 में खपत 75.3 एमटी दर्ज की गई, जो 11.9 प्रतिशत अधिक है। वहीं कच्चे इस्पात का 81.96 मिलियन टन रिकॉर्ड उत्पादन हुआ, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में हुई 77.58 एमटी खपत से 5.6 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने बताया कि विशेष इस्पात के घरेलू उत्पादन के लिए पीएलआई योजना को मंत्रिमंडल द्वारा 6322 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है। योजना के तहत पहचान किये गये विशिष्ट इस्पात के मद्देनजर पांच व्यापक श्रेणियां हैं, जहां इनका उपयोग किया जाता है। इनमें घरेलू उपकरण, मोटर-वाहन का ऊपरी ढांचा व पुर्जे, तेल और गैस आपूर्ति के पाइप, बॉयलर, बैलिस्टिक और आर्मर शीट, हाई-स्पीड रेलवे लाइनें, टरबाइन पुर्जे, वितरण और बिजली ट्रांसफार्मर शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक यह योजना वित्त वर्ष 2023-24 (पीएलआई वित्त वर्ष 2024-25 में जारी की जाएगी) से शुरू होने वाली है। विशिष्ट स्टील के लिए उत्पादनयुक्त प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 30 कंपनियों के 67 आवेदनों का चयन किया गया है। यह 26 मिलियन टन की उत्पादन व बिक्री क्षमता और 70 हजार की रोजगार सृजन क्षमता के साथ 42500 करोड़ रुपये के निश्चित निवेश को आकर्षित करेगी। मंत्रालय ने ये भी बताया कि उन्होंने देश में उत्पादित इस्पात की मेड इन इंडिया ब्रांडिंग की पहल की है। प्रमुख इस्पात उत्पादकों को इस्पात के लिए मेड इन इंडिया ब्रांडिंग के महत्त्व के बारे में बताया गया है। इस्पात मंत्रालय ने सभी प्रमुख उत्पादकों (आईएसपी), डीपीआईआईटी और क्यूसीआई के साथ मेड इन इंडिया ब्रांडिंग के लिए एक सामान्य मानदंड विकसित करने और ब्रांडिंग के लिए क्यूआर कोड में शामिल किए जाने वाले मापदंडों के बारे में कई बार चर्चा की। व्यापक विचार-विमर्श के बाद एक सामान्य मानदंड को अंतिम रूप दिया गया है।

सैमसंग गैलेक्सी ए34 5जी में होगा 48एमपी का मेन कैमरा

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज सैमसंग नए स्मार्टफोन गैलेक्सी ए34 5जी पर काम कर रही है। बताया जा रहा है कि इसमें 48 मेगापिक्सल का रियर कैमरा और 5,000 एमएएच की बैटरी हो सकती है।गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग गैलेक्सी ए34 5जी को हाल ही में एसएम-ए346-डीएसएन मॉडल नंबर के साथ ब्लूटूथ एसआईजी सर्टिफिकेशन वेबसाइट पर देखा गया है।

उम्मीद की जा रही है कि इसे जल्द ही लॉन्च किया जा सकता है। उम्मीद की जा रही है कि नया डिवाइस एक मिड-रेंज स्मार्टफोन होगा।

इसके सुचारू और कुशल प्रदर्शन प्रदान करने के लिए एक्सिनोस 1280 एसओसी प्रोसेसर द्वारा संचालित होने की बात सामने आ रही है। यूजर्स को फास्ट और स्मूथ मल्टीटास्किंग अनुभव प्रदान करने के लिए, स्मार्टफोन में ऑक्टा-कोर प्रोसेसर, माली जी71 एमपी2 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) और 6 जीबी रैम होने की भी उम्मीद है। ए34 5जी में 60एचजेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.4-इंच सुपर एएमओएलईडी डिस्प्ले दिए जाने की संभावना है। इसके अलावा, डिवाइस को एंड्रॉइड 13 चलाने और 15 वाट चार्जिंग का समर्थन करने की भी खबर है। गैलेक्सी ए34 5जी में भी पीछे की तरफ एक क्वाड-कैमरा सेटअप होगा, जिसमें 48एमपी एफ/1.8 वाइड-एंगल लेंस, 8एमपी एफ/2.2 अल्ट्रा-वाइड लेंस, 5एमपी एफ/2.4 मैक्रो लेंस और 2एमपी एफ/2.4 डेप्थ सेंसर शामिल है। यह यूजर्स को फोटोग्राफी ऑप्शन्स की एक वाइड रेंज प्रदान करेगा और उन्हें कई तरह की तस्वीरों को कैप्चर करने की अनुमति देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि स्मार्टफोन को आधिकारिक तौर पर कब लॉन्च किया जाएगा,

लेकिन ब्लूटूथ एसआईजी सर्टिफिकेशन पर इसकी उपस्थिति से संकेत मिलता है कि यह जल्द ही लॉन्च हो सकता है।

2600 में अपने ही शेयर फिर से खरीदेगी बायबेक

नई दिल्ली । स्मॉल कैप कंपनी टिप्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड ने बायबैक को मंजूरी दे दी है। कंपनी की तरफ से साझा की गई जानकारी के अनुसार इस बायबैक का प्राइज 32.76 करोड़ रुपए है। जबकि बायबैक शेयर का प्राइस 2600 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से तय किया गया है। कंपनी ने बताया कि 30 दिसंबर शुक्रवार को कंपनी ने बायबैक के लिए रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिस किसी निवेशक का नाम कंपनी के रजिस्टर में 30 दिसंबर 2022 तक रहेगा उसे ही बायबैक का फायदा होगा। बता दें कि मौजूदा शेयर प्राइस के हिसाब से कंपनी का बायबैक प्राइस 53.57 प्रतिशत अधिक है। शुक्रवार को सेंसेक्स में कंपनी के एक शेयर का भाव 5.67 प्रतिशत लुढ़क कर 1693 रुपये के स्तर पर आ गया है। लांग टर्म में इस कंपनी ने निवेशकों को निराश नहीं किया है। 5 साल पहले कंपनी पर दांव लगाने वाले निवेशकों को अब तक 1300 प्रतिशत का रिटर्न मिल चुका है। वहीं बीते 3 साल में कंपनी के शेयरों में 1800 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। हालांकि 2022 कंपनी के शेयरहोल्डर्स के लिए अब तक अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान टिप्स इंडिस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर का भाव 11.2 प्रतिशत तक लुढ़क गया है।

कच्चा तेल महंगा कुछ राज्यों में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में पिछले 24 घंटे के दौरान क्रूड ऑयल की कीमतों में तेजी दिखी है और ब्रेंट क्रूड का भाव 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। इसके बीच पेट्रोल-डीजल के खुदरा कीमतो में भी यूपी-बिहार के कई शहरों में बदलाव दिख रहा है। देश के चारों महानगरों और बाकी अन्य जगह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार पटना में पेट्रोल 9 पैसे महंगा होकर 107.48 रुपए लीटर हो गया है जबकि डीजल 9 पैसे चढ़कर 94.26 रुपए लीटर पहुंच गया है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे सस्ता हुआ और 96.92 रुपए लीटर पहुंच गया है जबकि डीजल 6 पैसे सस्ता होकर 90.08 रुपए लीटर बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल के भाव चढ़े हैं और यह 13 पैसे बढ़कर 96.57 रुपए लीटर हो गया है जबकि डीजल 12 पैसे घटकर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चा तेल में पिछले 24 घंटे के दौरान फिर से तेजी दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 3 डॉलर चढ़कर 83.92 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव 2 डॉलर की बढ़त के साथ 79.56 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

इस साल ब्रिटेन को पछाड़ भारत बना दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ।

देश लगातार कितनी तरक्की कर रहा है वर्ष 2022 इसका गवाह बना। इसी साल सितंबर महीने में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक जोश बढ़ाने वाली रिपोर्ट आई। उस रिपोर्ट में बताया गया भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने इस मुकाम पर पहुंचने के लिए ब्रिटेन को पीछे छोड़ा है और भारत से आगे अब केवल अमेरिका चीन जापान और जर्मनी हैं। दुनिया की पांचवी से चौथी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करने की यात्रा में भारत ने कई आमूलचूल परिवर्तन किए। बीते कुछ सालों में भारत में बैंकिंग क्षेत्र का कायाकल्प किया गया और टैक्स वसूली के क्षेत्र में हुए बदलावों से भ्रष्टाचार घटा और सरकार की कमाई बढ़ी है। ये बदलाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के करों में देखने को मिला है। लोगों के पास सीधे बैंक खाते में पैसा जाने की वजह से भी भ्रष्टाचार घटा है और सरकार पैसे में लूट पर रोक लगनी शुरू हुई। इन्हीं कोशिशों का नतीजा रहा कि सरकारी खजाने में लोगों के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए बड़ी राशि जमा हुई। साथ ही इन सभी चीजों के सुचारु रूप से चलने का ही नतीजा रहा कि भारत का आर्थिक चक्र दुनिया के मुकाबले बेहतर तरीके से चलने लगा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के आंकड़ों में भारत की अर्थव्यवस्था 854.7 अरब डॉलर की आंकी गई जबकि इस आधार पर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 816 अरब डॉलर की रही। पिछले एक दशक की बात की जाए तो भारत इस रैंकिंग में लगातार सुधार कर रहा है। भारत 11वें से सुधार करता हुआ 5वें पायदान पर पहुंचा है।

नये साल से पहले एयरलाइन कंपनियों ने दोगुना किया हवाई किराया!

नई दिल्ली ।

क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों में मांग में तेजी देखते हुए विमान कंपनियों ने किराये में करीब दोगुना तक इजाफा कर दिया है। दिल्ली-मुंबई मार्ग पर किराया जहां करीब 50 फीसदी बढाया है। वहीं मुंबई-गोवा मार्ग पर 90 फीसदी तक किराये में बढोतरी हुई है। विभिन्न कंपनियों की वेबसाइट की पड़ताल के बाद यह बात सामने आई है कि इस अवधि के लिए विमान किराये में औसतन 30 से 40 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। वहीं दिल्ली- मुंबई दिल्ली चेन्नई और दिल्ली- बेंगलुरु जैसे मार्गों पर 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि किराये में हुई है। नए साल के सीजन में दिल्ली-मुंबई मार्ग पर किराया 14 हजार से 27000 रुपये के करीब चल रहा है जो कि नवंबर में 15 हजार से रुपये के बीच था। वहीं सितंबर के मुकाबले इस मार्ग पर किराये में तीन गुना तक इजाफा हुआ है। सितंबर में इस मार्ग पर किराया 5500 रुपये के करीब था। इसी तरह मुंबई- बेंगलुरु मार्ग पर किराया चार हजार रुपये से लेकर 14 हजार रुपये हो गया है जो सितंबर में औसतन दो हजार रुपये था। वहीं दिल्ली-कोलकाता मार्ग पर भी किराया बढ़कर 15 हजार रुपये लेकर 22 हजार रुपये हो गया है जो कि सितंबर में 10 हजार रुपये के करीब था। आंकड़ों के मुताबिक इसके अलावा हैदराबाद-बेंगलुरु दिल्ली-कोलकाता कोलकाता-गुवाहाटी बेंगलुरु-कोलकाता और दिल्ली-गोवा जैसे अन्य मार्गों के लिए भी किराये में 50 से 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

फिर मिल सकती है वर्क फ्रॉम हो की सुविधा!

मुंबई ।

चीन से हित कुछ देशों में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट के कारण बढ़ते मामलों के बीच भारत में इस महामारी की अगली लहर को लेकर चिंता बढ़ गई है। कोरोना के संक्रमण से बचने को लेकर भारतीय उद्योग जगत भी अब सतर्क रुख अपना रहा है। इस बीच कई कंपनियां फिर वर्क फ्रॉम होम की इजाजत देने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। अगर देश में कोरोना संक्रमण के चलते हालात बिगड़ते हैं तो टूरिज्म हॉस्पिटेलिटी रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनियां कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की इजाजत दे सकती हैं। पिछले हफ्ते केंद्र सरकार ने दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चीन जापान दक्षिण कोरिया हांगकांग और थाईलैंड से आने वाले सभी यात्रियों के लिए कोराना परीक्षण अनिवार्य कर दिया। एक की खबर के अनुसार करियरनेट के सीईओ अंशुमान दास ने कहा कि हॉस्पिटेलिटी ऑटोमोबाइल कमर्शियल ऑफिस ट्रैवल और ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर हाई अलर्ट पर होंगे। दरअसल चीन में कोरोना के नए वेरिएंट बीएफ 7 से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। वहीं जापान दक्षिण कोरिया ब्राजील और अमेरिका में मामले बढ़ रहे हैं। इंडस्ट्री से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि कोविड की खबर ऐसे समय में आ रही है जब पहले से ही वैश्विक मंदी की आशंका को लेकर कंपनियां नई भर्तियां नहीं कर रही हैं। वहीं मौजूदा हालात के चलते पर्यटन और हॉस्पिटेलिटी सेक्टर की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि विनिर्माण और उपभोक्ता जैसे अन्य क्षेत्रों की कंपनियों ने लोगों को काम पर रखना बंद नहीं किया है।

ऑस्ट्रेलिया/दक्षिण अफ्रीका दूसरे क्रिकेट टेस्ट :

बॉक्सिंग डे टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही दिन शिकंजा कसा

-दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 189 रनों पर समेटने के बाद बनाये एक विकेट पर 45 रन

मेलबर्न (एजेंसी)। कैमरोन ग्रीन मिचेल स्टार्क सहित अन्य गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां बॉक्सिंग डे पर शुरु हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका पर शिकंजा कसा दिया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को पहली पारी में 189 रनों पर ही समेट दिया। आज सुबह टॉस जीतने के बाद मेजबान टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ग्रीन ने इस दौरा पांच विकेट मेजबान टीम को दबाव में ला दिया। वहीं इसके बाद मिचेल स्टार्क ने दो जबकि स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन ने एक-एक विकेट लेकर उसे समेट दिया। इसके बाद दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जवाब में अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 45 रन बना लिए थे। डेविड वॉर्नर 32 जबकि मार्नस लाबुशेन पांच रन बनाकर खेल रहे थे। आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा रहे। वह केवल एक रन बनाकर कसिगो रबाडा का शिकार बने।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से विकेटकीपर काइल वेरेने और मार्को यैनसेन के अलावा कोई अन्य खिलाड़ी टिक नहीं पाया। इन दोनो ने अर्धशतक लगाये। इन दोनों की पारियों के बल पर ही दक्षिण अफ्रीकी टीम 150 रनों के ऊपर पहुंच गयी। दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही और 67 रनों तक ही उसने अपने पांच विकेट खो दिये। कप्तान डीन एल्गर और सेरेल एरवी ने पारी शुरु की थी। एरवी 18 रन बनाकर पेवेलियन लौट हुए। वहीं थियोनिस डि ब्रुएन 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान एल्गर भी अधिक देर नहीं टिक पाये। टेम्बा बवुमा एक और खाया जोंडो पांच रन बनाकर पेवेलियन लौटे। आउट हुए। एक समय लग रहा था कि सौ रन भी नहीं बन पायेंगे पर

वेरेने और यैनसेन ने एक अच्छी साझेदारी कर टीम को संभाला। इन दोनों के आउट होते ही टीम ढ़ह गयी। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 11 गेंद पर महज एक रन बनाकर आउट हो गए। उनका विकेट कगीसो रबाडा के खाते में गया।

लवलीना और निकहत फाइनल में, रेलवे के आठ मुक्केबाज भी जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैम्पियन निकहत जरीन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। रेलवे के आठ मुक्केबाज भी फाइनल में पहुंच गए जिनमें विश्व चैम्पियनशिप 2019 की रजत पदक विजेता मंजू रानी (48 किलो) और 2017 विश्व युवा चैम्पियन ज्योति गूलिया (52 किलो) शामिल हैं। निकहत (50 किलो) तेलंगाना के लिये खेल रही हैं जिन्होंने एआईपी की शविंदर कौर को 5 . 0 से हराया। अब उनका सामना अनामिका से होगा।

असम की लवलीना (75 किलो) ने मध्य प्रदेश की जिज्ञासा राजपूत को मात दी। अब वह 2021 विश्व युवा चैम्पियन एसएससीबी की अरूंधति चौधरी से खेलेंगी। गत चैम्पियन रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के आठ मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गए। मंजू ने मप्र की अंजलि शर्मा को हराया और अब तमिलनाडु की एस कलाइवानी से खेलेंगी। ज्योति ने उत्तर प्रदेश की सोनिया को मात दी। अब उनका सामना एसएससीबी की साक्षी से होगा। रेलवे की अनुपमा (50 किलो), शिक्षा (54 किलो), पूनम (60 किलो) साक्षी (63 किलो), अनुपमा (81 किलो) और नुपूर (81 प्लस) ने भी फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा (57 किलो) और विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत कौर (60 किलो) भी फाइनल में पहुंच गई। मनीषा ने आरएसपीबी की सोनिया लाठेर को 4 . 1 से मात दी और अब हिमाचल प्रदेश की विनाक्षी से खेलेंगी। वहीं सिमरनजीत ने एआईपी की क्रोस मांगेहसांगी को 5 . 0 से हराया। अब उनका सामना आरएसपीबी की पूनम से होगा।

स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान नहीं देने पर आईसीसी पर साधा निशाना

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने खेल के लंबे प्रारूप के कार्यक्रम पर पर्याप्त ध्यान नहीं देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर निशाना साधते हुए कहा कि दुनिया भर में घरेलू टी20 लीग की बढ़ती लोकप्रियता खेल के सबसे लंबे प्रारूप के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। पाकिस्तान दौरे पर हाल ही में टीम को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्टोक्स ने कहा, '' कार्यक्रम पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना देना चाहिए। टी-20 विश्व कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय श्रृंखला इसका उदाहरण है। तीन मैचों की श्रृंखला का आयोजन क्या समझदारी भरा था जबकि इस श्रृंखला की कोई अहमियत नहीं थी।' स्टोक्स ने कहा, '' मौजूदा दौर में टेस्ट क्रिकेट को लेकर जिस तरह की बात हो रही है वह मुझे पसंद नहीं है। क्रिकेट के प्रशंसक टेस्ट की जगह नये प्रारूप और फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता को तरजीह दे रहे हैं। हम सभी इस बात को समझते हैं कि इससे (सीमित ओवरों के प्रारूप) खिलाड़ियों को काफी मौके मिलते हैं लेकिन मैं मानता हूं कि टेस्ट क्रिकेट खेल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।' यह संकेत देते हुए कि टेस्ट खेलने वाले देशों को आक्रामक क्रिकेट खेलने के इंग्लैंड के नक्शेकदम पर चलना चाहिए, स्टोक्स ने कहा कि पांच दिवसीय प्रारूप को लोकप्रिय बनाने के लिए 'परिणाम' से अधिक 'मनोरंजन' की जरूरत है। इस दिग्गज हरफनमौला ने कहा, '' परिणाम के बारे में नहीं सोच कर एक अच्छी शुरुआती की जा सकती है। हर दिन को मनोरंजक बनाने पर ध्यान देना चाहिये। आपको लोगों को अंदाजा लगाने का ज्यादा मौका नहीं देना चाहिये। अगर लोग इस बात से उत्साहित हो जाते हैं कि वे क्या देखने जा रहे हैं तो इससे ही आपकी बड़ी जीत हो सकती है।' स्टोक्स ने आईसीसी से टेस्ट क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए कुछ अलग करने की सलाह दी। स्टोक्स ने कहा, 'मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है और मैं मानता हूं कि हम इस मामले में कुछ अलग कर सकते है।' जो रूट से कप्तानी का जिम्मा लेने के बाद स्टोक्स ने 10 मैचों में इंग्लैंड को नौ जीत दिलाई हैं।

टेस्ट में सबसे अधिक रन ऋषभ ने बनाये विराट छठे स्थान पर रहे

-श्रेयस दूसरे और पुजारा तीसरे स्थान पर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2022 में टीम इंडिया की ओर से बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाये जबकि श्रेयस अय्यर दूसरे और चैत्तेश्वर पुजारा को तीसरा स्थान मिला। इस साल भारतीय टीम का प्रदर्शन सामान्य रहा और उसने कुल सात टेस्ट मैच में खेले जिसमें से चार में उसे जीत मिली जबकि तीन में हार का सामना करना पड़ा। इस साल टीम को टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली रनों के मामले में आर अश्विन से भी पीछे रहे।

टेस्ट क्रिकेट में ऋषभ ने भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाए जबकि मध्यक्रम में अय्यर ने अच्छी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया और इस साल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भारत की ओर से दूसरे नंबर पर रहे। ऋषभ ने सात मैच में 61.81 के औसत से 680 रन बनाये। इस दौरान उनका सबसे ज्यादा स्कोर 146 रन रना रहा। वहीं अय्यर ने पांच मैचों की आठ पारी में 60.28 के औसत से 422 रन बनाये। उनका सबसे ज्यादा स्कोर 92 रन रहा। वहीं चेतेश्वर पुजारा ने पांच मैचों की दस पारियों में 45.44 के औसत से 409 रन बनाये। रविन्द्र जडेजा ने तीन मैचों में 82.00 के औसत से 328 रन बनाये। उनका सबसे ज्यादा स्कोर 175 रन रना। वहीं अश्विन ने 6 मैचों में 30 के औसत से 270 जबकि विराट ने 6 मैचों में 26 के औसत से केवल 265 रन बनाये।

एशियाई तीरंदाजी में भारत को पांच स्वर्ण सहित नौ पदक

शारजाह। यहां हुए एशिया कप तीरंदाजी में भारत के जूनियर तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण पदकों सहित कुल 9 पदक जीते हैं। भारतीय तीरंदाजों ने कंपाउंड वर्ग में आठ में से सात पदक जबकि व्यक्तिगत महिला वर्ग में प्रगति को स्वर्ण अदिति स्वामी को रजत और परत कौर को कांस्य पदक मिला वहीं प्रियांश और ओजस देवताले ने कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किये। वहीं भारतीय कंपाउंड तीरंदाज पुरूष और महिला टीम वर्ग में भी शीर्ष पर रहे जबकि कंपाउंड मिश्रित युगल वर्ग में ही भारत को कोई पदक नहीं मिला। इसमें भारत के ओजस और प्रगति क्वार्टर फाइनल में ही वियतनाम से हार कर बाहर हो गये। वहीं रिकर्व वर्ग में भारत ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा भारतीय पुरूष टीम ने मृणाल चौहान और पार्थ सालुंके के अच्छे प्रदर्शन से दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि रिकर्व मिश्रित टीम वर्ग में टिशा पूनिया और सालुंके को रजत पदक मिला।

साल 2022 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन अय्यर ने बनाये

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इस साल अपना 71वां शतक पर पर साल भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर रहे। अय्यर ने सभी प्रारूपों में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाए हैं। श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 39 मैचों और 40 पारियों में कुल 1609 रन बनाए हैं। अय्यर ने 1732 गेंदों का सामना किया है और 92.89 की स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज ने 48.75 की औसत से 14 अर्धशतक और एक शतक भी लगाया है। वहीं सूर्यकुमार यादव सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। सूर्या ने 40.68 की औसत से 1424 रन बनाये हैं और वह सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं ऋषभ पंत 1380 रन के साथ ही तीसरे और रोहित शर्मा 995 रनों के साथ ही चौथे नंबर पर हैं। टीम इंडिया के लिए यह साल मिलाजुला रहा जहां उसे आईसीसी टूर्नामेंटों में हार का सामना करना पड़ा वहीं द्विपक्षीय सीरीजों में जीत भी मिली है। भारतीय टीम ने इस साल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत के साथ ही अपना अभियान समाप्त किया है। भारतीय टीम ने एशिया कप और टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई पर दोनो में ही उसे हार का सामना करना पड़ा। इन दोनो ही टूर्नामेंटों में हार के बाद भारतीय टीम की कप्तानी में बदलाव की मांग भी होने लगी हैं।

आजम साल में सबसे अधिक बार पचास से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। आजम ने 50 रनों का आंकड़ा पार करते ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में किसी कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रनों की पारी खेलने का नया विश्व रिकॉर्ड अब आजम के नाम दर्ज हो गया है। बाबर ने इस साल 25 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। वहीं पोंटिंग ने साल 2005 में 24 बार ऐसा किया था। इस तरह से बाबर ने पोंटिंग का 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वहीं तीसरे नंबर पर पाक के ही मिसबाह उल हक हैं। मिसबाह ने 2013 में 22 बार ऐसा किया था। वहीं चौथे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 2017 और 2019 दोनों साल में 21-21 बार ऐसा किया था।

टीम के खिलाफ गोल होने पर निराश नहीं हों, अगले स्तर पर जाओ: रीड

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच ग्राहम रीड ने अपने खिलाड़ियों को भावनाओं में बहने के प्रति चेताया है और सलाह दी है कि अगर अगले महीने एफआईएच विश्व कप के दौरान उनके खिलाफ गोल होता है तो वे अपने खेल को अगले स्तर पर लेकर जाएं। रीड का मानना है कि अगर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलना है तो सकारात्मक मानसिकता जरूरी है। भारत विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत टूर्नामेंट के पहले दिन 13 जनवरी को राउरकेला में स्पेन के खिलाफ करेगा।

लाहौर में 1990 विश्व कप के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य रहे रीड ने कहा, ''जब आप (भारतीय खिलाड़ी) इस स्तर (विश्व कप) के टूर्नामेंट में खेलते हो तो भावनाओं में बह जाते हो। भावनाओं में मत बहो। अगर विरोधी आपसे गेंद छीने या गोल कर दे तो हालात काफी मुश्किल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह जरूरी है कि 'अगली चीज क्या होगी' आप इसकी मानसिकता विकसित करो। जो हो गया आप उसे नहीं बदल सकते तो उस काम पर ध्यान दो जो आपके सामने है, क्या करना है इस पर अपना ध्यान केंद्रित रखो।' विश्व कप 1990 में ऑस्ट्रेलियाई टीम की तैयारी के बारे मे बताते हुए रीड ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, ''टूर्नामेंट (विश्व कप 1990) से पहले हम छोटे मुकाबले (कम समय के) खेलते थे और चुपचाप खेलते थे, हमें बात करने की स्वीकृति नहीं थी। दर्शकों के शोर की रिकॉर्डिंग लाउडस्पीकर पर बजाई जाती थी और हमने सीखा कि किसी की आवाज पर अधिक ध्यान नहीं देना है बल्कि खिलाड़ी के पलटने या उसकी आंखों में देखकर खेलने का आदी होना है।'

रीड ने कहा कि आधुनिक हॉकी की बेहद प्रतिस्पर्धी प्रकृति को देखते हुए भुवनेश्वर और राउरकेला की संयुक्त मेजबानी में हो रहे विश्व कप के प्रबल दावेदार की भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा, ''किसी टीम को चुनना बेहद मुश्किल है। अगर मैं आज की स्थिति को देखता हूं तो मैं ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और भारत को चुन सकता हूं और कल मैं फिर नीदरलैंड, जर्मनी और भारत के साथ जा सकता हूं।' रीड ने कहा, ''बेशक मैं भारत को शीर्ष तीन में रखूंगा क्योंकि अगर हम अच्छा खेलते हैं तो हमारे पास अच्छा मौका होगा। शीर्ष आठ टीम में से कोई भी विश्व कप जीत सकता है।' विश्व कप 1990 में भारत के खिलाफ मैच को याद करते हुए रीड ने कहा कि उस मैच में उन्होंने जो गोल किया था वह उनके लिए विशेष है।

सीए ने वॉर्न के नाम पर रखा प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने दिवंगत महान क्रिकेटर शेन वॉर्न के सम्मान में अपने प्रतिष्ठित पुरस्कार ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टेस्ट प्लेयर ऑफ द इयर को वॉर्न के नाम पर रखा है। इस अवॉर्ड को अब वॉर्न टेस्ट प्लेयर ऑफ द इयर के नाम से जाना जाएगा। सीए ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे बॉक्सिंग डे टेस्ट पर ये फैसला किया। वॉर्न ने साल 2006 में एकमात्र बार इस अवॉर्ड को अपने शानदार प्रदर्शन के बाद जीता था। 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में उन्होंने रिकॉर्ड 40 विकेट लिए थे। ये साल वॉर्न के लिए प्रदर्शन के लिहाज से सबसे अच्छा रहा था। वहीं ट्रैविस हेड इस अवॉर्ड को जीतने वाले अंतिम ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी रहे हैं। वहीं साल 2023 में उस्मान ख्वाजा मार्नस लाबुशेन और नाथन लियोन ने यह पुरस्कार हासिल किया था।

साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम साल की शुरुआत मे श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसमें भारतीय टीम की कप्तान हार्दिक पांड्या को मिलने की संभावना है क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा के अंगूठे की चोट अभी ठीक नहीं हुई है। इस सीरीज में लोकेश राहुल नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्होंने निजी कारणों से बीसीसीसी से जनवरी माह के लिए छुट्टी मांगी थी जिसे मंजूर कर लिया गया है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा अभी होनी है। पांड्या ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में कप्तानी की थी। तब पांड्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में जीती थी। इसलिए इस बार भी उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टीम की कमान सौंपी जा सकती है। क्योंकि रोहित शर्मा के अंगुठे में चोट आई है जो अब तक ठीक नहीं हुआ है।

विश्व का नंबर एक टी20 बल्लेबाज होना सपने जैसा लगता है: सूर्यकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी सूर्यकुमार यादव को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना अब भी सपने जैसा लगता है, लेकिन वह सीमित ओवरों के प्रारूप तक ही सीमित नहीं रहना चाहते हैं और उनकी टेस्ट क्रिकेट में भी अपना जलवा दिखाने दिली तमन्ना है। सूर्यकुमार ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने, अगले साल होने वाले विश्वकप और टेस्ट क्रिकेट खेलने की अपनी तमन्ना को लेकर बात की। सूर्यकुमार से साक्षात्कार के अंश इस प्रकार हैं-

प्रश्नः अगर आज से एक साल पहले कहा जाता कि साल के आखिर में आप टी20 क्रिकेट में नंबर एक बल्लेबाज बने रहेंगे, तो क्या आप इस पर विश्वास करते?

उत्तरः यह अब भी सपने जैसा लगता है। अगर साल भर पहले किसी ने मुझे टी20 क्रिकेट का नंबर एक बल्लेबाज कहा होता तो मुझे नहीं पता कि मैं कैसे प्रतिक्रिया करता। जब मैंने इस प्रारूप में खेलना शुरू किया तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था और इसके लिए मैंने कड़ी मेहनत की थी।

प्रश्नः अब प्राथमिकता 2023 में होने वाला वनडे विश्व कप होगा, तो क्या आप 50 ओवरों के प्रारूप के लिए अपने खेल में बदलाव करेंगे?

उत्तरः जब मैं किसी प्रारूप में खेल रहा होता हूं तो उसके बारे में बहुत नहीं सोचता, क्योंकि मैं जब भी बल्लेबाजी के लिए जाता हूं तो उसका भरपूर आनंद लेता हूं। मैं यही सोचता हूं कि जब भी मैं क्रीज पर जाऊं तो मैच में पासा पलटने वाला प्रदर्शन करूं। मुझे बल्लेबाजी करना पसंद है फिर चाहे वह टी20, वनडे या रणजी ट्रॉफी कुछ भी हो।

प्रश्नः क्या आपको ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की उम्मीद है?

उत्तरः मैंने लाल गेंद से आयु वर्ग के राष्ट्रीय स्तर पर खेलना शुरू किया, इसलिए इसका उत्तर इसी में निहित है। पांच दिवसीय मैचों में आपके सामने पेचीदा लेकिन रोमांचक परिस्थितियां होती हैं और आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं। हां, यदि मुझे मौका मिलता है तो मैं तैयार हूं।''

प्रश्नः कौशल सीखा जा सकता है लेकिन किसी खिलाड़ी को उच्च स्तर पर खेलने के लिए मानसिक रूप से कैसे तैयार करना चाहिए?

उत्तरः मैं यही कहूंगा कि यह कभी असंभव नहीं होता है लेकिन निश्चित तौर पर मुश्किल होता है। इसके लिए आपका रवैया अच्छा होना चाहिए। मैं अधिक अभ्यास करने के बजाय बेहतर अभ्यास करने पर ध्यान देता हूं। मैंने और मेरे परिवार ने काफी बलिदान दिए हैं। भारत की तरफ से पदार्पण करने से पहले मैं 10 साल तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलता रहा हूं।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में आपको काफी चीजें सीखने को मिलती हैं और इसलिए जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं और भिन्न तरह के गेंदबाजों का सामना करते हैं तो फिर आपको केवल खुद को अभिव्यक्त करने की जरूरत होती है।

प्रश्नः पिछले कुछ वर्षों से घरेलू स्तर पर और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में चयन नहीं होने पर क्या आपको निराशा होती थी या गुस्सा आता था?

उत्तरः मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं खीझ जाता था लेकिन हमेशा मैं यह सोचता था कि अगले स्तर पर जाने के लिए अलग से क्या करना होगा। इसलिए मैंने कड़ी मेहनत करना जारी रखा और आपको इसके साथ ही अपने खेल का भी आनंद लेना होता है। आप इसीलिए क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं।

मैं जानता था कि अगर मैं परिणाम पर ध्यान न दूं और अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करूं तो मैं किसी दिन राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में सफल रहूंगा।

प्रश्नः क्या आप हमें अपनी 360 डिग्री तकनीक के बारे में कुछ बता सकते हैं?

उत्तरः यह दिलचस्प कहानी है। मेरे स्कूल और कॉलेज के दिनों में मैंने रबड़ की गेंद से काफी क्रिकेट खेली। सीमेंट की कड़ी पिचों पर और बारिश के दिनों में 15 गज की दूरी से की गई गेंद तेजी से आती थी तथा यदि लेग साइड की बाउंड्री 95 गज होती थी तो ऑफ साइड की 25 से 30 गज ही होती थी। इसलिए ऑफ साइड की बाउंड्री बचाने के लिए अधिकतर गेंदबाज मेरे शरीर को निशाना बनाकर गेंदबाजी करते थे। ऐसे में मैंने कलाइयों का इस्तेमाल करना, पुल करना और अपर कट लगाना सीखा। मैंने नेट पर कभी इसका अभ्यास नहीं किया।

प्रश्नः विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ आपके संबंध कैसे हैं?

उत्तरः मैं वास्तव में बेहद भाग्यशाली हूं जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेल रहा हूं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज सितारे हैं। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है मैं नहीं जानता कि कभी मैं उसे हासिल कर पाऊंगा या नहीं। हाल में मैंने विराट भाई के साथ कुछ अच्छी साझेदारियां निभाई और मैंने उनके साथ बल्लेबाजी करने का आनंद लिया।

प्रश्नः क्या आप अपने करियर में मुंबई इंडियंस और आपकी पत्नी देवीशा के योगदान के बारे में बताएंगे?

उत्तरः मेरी जिंदगी और क्रिकेट यात्रा में दो स्तंभ हैं - मुंबई इंडियंस और मेरी पत्नी देवीशा। पहले मैं मुंबई इंडियंस के योगदान पर बात करूंगा। जब मैं 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स को छोड़कर यहां आया था तो मैं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के मौके पर ध्यान दे रहा था और मेरे कहे बिना ही टीम प्रबंधन ने मुझ पर भरोसा दिखा कर मुझे यह जिम्मेदारी सौंप दी थी। मैंने 2016 में देवीशा से शादी की और जब मैं मुंबई इंडियन से जुड़ा तो हम दोनों ने अगले स्तर पर जाने के लिए क्या करना चाहिए इसके बारे में सोचना शुरू किया। मुझे जब भी उनकी जरूरत पड़ी तो वह मेरे साथ खड़ी रही। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं जिस तरह का संतुलन चाहता था देवीशा ने मुझे वह मुहैया कराया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर

पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है ? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है ?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है ? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है ? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे ?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक

बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

जापान में भारी बर्फबारी के कारण 17 लोगों की मौत, 93 अन्य लोग घायल

तोक्यो। जापान में भारी बर्फबारी के कारण 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 से अधिक लोग घायल हो गए। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दमकल एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, जापान में पिछले सप्ताह से उत्तरी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हो रही है, राजमार्गों पर सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं, जिससे सामान आपूर्ति में देरी हो रही है। एजेंसी के अनुसार, शनिवार तक अलग-अलग घटनाओं में 11 लोगों की मौत हो गई है। क्रिसमस सप्ताहांत में अधिक बर्फबारी से सोमवार सुबह तक मृतक संख्या बढ़कर 17 हो गई और घायलों की संख्या 93 है। इनमें से कई लोग छतों पर से बर्फ हटाते समय गिर गए या छतों से गिरने वाले बर्फ के बड़े बड़े ढेलों के नीचे दब गए। बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में नगरपालिका कार्यालयों ने लोगों से बर्फ हटाने के दौरान सावधानी बरतने और अकेले काम न करने का आग्रह किया है। नीगाता चावल की बुआई के लिए पहचाना जाता है। वहां जापानी चावल का केक 'मोची' बनाने वाले कुछ लोगों ने बताया कि नववर्ष के दौरान इसकी बिक्री अधिक होती है, लेकिन अब उसकी आपूर्ति में परेशानी आ रही है।

भाग्य ही सबसे बड़ी महाशक्ति है : एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने सोमवार को एक यूजर को जवाब देते हुए कहा कि भाग्य सबसे बड़ी महाशक्ति है। मस्क की प्रतिक्रिया एक उपयोगकर्ता के प्रश्न पर आई जिसने पूछा क्या होगा यदि कौशल केवल एक अलग प्रकार का भाग्य है? जबकि एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की एकमात्र महाशक्ति जो वास्तव में मायने रखती है वह दूसरों से प्यार करने की क्षमता है। दूसरे ने कहा भाग्य जैसी कोई चीज नहीं है। सांख्यिकीय ब्रह्मांड से निपटने के लिए केवल पर्याप्त या अपर्याप्त तैयारी है। इस बीच मस्क ने अपने 123 मिलियन से अधिक अनुयायियों को मैरी क्रिसमस और गुड चीयर टू ऑल कहा! पिछले हफ्ते उन्होंने कहा था कि वह सॉफ्टवेयर और सर्वर टीमों को तभी चलाएंगे जब उन्हें उनकी जगह लेने के लिए कोई मूर्ख मिल जाएगा। उन्होंने एक पोल के जवाब में बयान दिया जहां 57.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें ट्विटर के सीईओ के रूप में पद छोड़ना चाहिए।

उत्तर कोरिया के ड्रोन ने किया हवाई क्षेत्र का उल्लंघन ; दक्षिण कोरिया ने चेतावनी देते हुए गोलीबारी की

सियोल। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया के ड्रोन द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए जाने के बाद चेतावनी देते हुए गोलीबारी की। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि कोरियाई सीमा पार करके आए कई मानवरहित उत्तर कोरियाई ड्रोन सोमवार को दक्षिण कोरिया के क्षेत्र में देखे गए। ऐसा 2017 के बाद पहली बार हुआ है, जब उत्तर कोरिया के ड्रोन दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र में घुसे हैं। इस घटना से तीन दिन पहले दक्षिण कोरिया ने कहा था कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वी समुद्री तट की ओर छोटी दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं।

ईरान में खदान विस्फोट में दो लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के मध्य सेमनान प्रांत में एक खदान में हुए विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है तथा पांच अन्य घायल हो गए है। सेमनान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के सेंटर फॉर मैनेजमेंट ऑफ मेडिकल एक्सीडेंट्स एंड एमर्जेंसीज के प्रमुख मोहम्मद अली ताहेरी ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार को दमघन शहर के तुये गांव में फ्लोरिन खदान में हुई। उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी दिए बिना कहा कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

दक्षिण अफ्रीका : गैस टैंकर में हुए विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हुई

दक्षिण अफ्रीका रविवार को क्रिसमस की पूर्व संध्या पर जोहानिसबर्ग के निकट टैंकर ट्रक में हुए विस्फोट से हुई तबाही और मौतों के दुख से जूझ रहा है। इस विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गयी है। बोक्सबर्ग शहर में शनिवार को कम ऊंचाई वाले एक रेलवे पुल के नीचे गैस टैंकर फंस गया था, जिसमें बाद उसमें आग की लपटें निकलने लगीं। आपातकालीन सेवाओं के अधिकारियों के मुताबिक दमकलकर्मी आग बुझाने का काम कर रहे थे कि तभी टैंकर में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने कहा कि इस विस्फोट से एक 'अग्नि बम' ने लगभग 100 मीटर (110 गज) दूर स्थित टैम्बो मेमोरियल अस्पताल को भी काफी नुकसान पहुंचाया। स्वास्थ्य मंत्री जो फहला ने कहा कि मरने वालों में अस्पताल के तीन कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारण अस्पताल की आपातकालीन इकाई और एक्स-रे विभाग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने समाचार वेबसाइट न्यूज24 को बताया कि जलते हुए ट्रक को देखने के लिए जमा हुए लोग विस्फोट से भाग गए, इस दौरान कुछ लोगों के कपड़े भी जल गए। कम से कम 321 घायल लोगों को क्षतिग्रस्त अस्पताल में ले जाया गया, हालांकि कुछ को बाद में जोहानिसबर्ग-क्षेत्र के अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट से कई मकान और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

चार्ल्स तृतीय ने क्रिसमस पर शांति व प्रसन्नता के माहौल की कामना की

लंदन। ब्रिटिश महाराज चार्ल्स तृतीय ने क्रिसमस के मौके पर दुनिया में शांति और प्रसन्नता के माहौल की कामना की है। उन्होंने महाराज बनने के बाद क्रिसमस के मौके पर अपने पहले भाषण में बहुधर्मी संदेश दिया और इसमें ब्रिटेन में गिरजाघरों मस्जिदों मंदिरों और गुरुद्वारों द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख किया। महाराज चार्ल्स का इस महीने की शुरुआत में विंडसर कैसल में सेंट जॉर्ज चैपल में संदेश रिकॉर्ड किया था। महाराज चार्ल्स की मां एवं महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का सितंबर में 96 वर्ष की आयु में निधन हुआ था। ब्रिटिश राजशाही की ओर से अपने पहले पारंपरिक क्रिसमस दिवस संदेश में महाराजा चार्ल्स-तृतीय ने दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि दी। ब्रिटिश राजशाही की ओर से क्रिसमस पर संदेश प्रसारित करने की लंबे समय से परंपरा रही है जिसका मकसद ब्रिटेन समेत पूरे राष्ट्रमंडल की जनता को संदेश देना होता है। चार्ल्स ने कहा क्रिसमस निश्चित रूप से एक ईसाई उत्सव है जो अंधेरे पर प्रकाश की विजय मनाने का एक अवसर है। उन्होंने कहा हमारे गिरजाघर यहूदी उपासनास्थल मस्जिद मंदिर और गुरुद्वारे एक बार फिर से भूखों को खाना खिलाने प्यार और सहायता प्रदान करने के लिए एकजुट हुए हैं।

बलूचिस्तान में आतंकियों के साथ 2 अलग-अलग मुठभेड़ों में 6 सैनिकों की मौत 15 घायल

इस्लामाबद। पाक के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में आतंकियों के साथ 2 अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम 6 सैन्यकर्मी मारे गए। प्रांत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादियों द्वारा किए गए ग्रेनेड हमलों में 15 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी बयान के मुताबिक बलूचिस्तान के कहन इलाके में एक अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में 6 सैनिक मारे गए। बयान के मुताबिक विश्वसनीय सूचना के आधार पर इस अभियान की शुरुआत की गई। बयान के अनुसार झोब जिले के सांबाजा इलाके में आतंकियों के खिलाफ एक अभियान 96 घंटे से जारी है। आईएसपीआर के बयान के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य आतंकवादियों के पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पार कर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घुसने और नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए कुछ संदिग्ध मार्गों का उपयोग करने से रोकना है। इस बीच अफगानिस्तान की सीमा से सटे प्रांत के क्वेटा लासबेला और खुजदार में संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए विस्फोटों में कम से कम 15 लोग घायल हो गए हैं।

अमेरिका के बफेलो क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद सड़क पर फैला हुई बर्फ।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 34 लोगों की मौत

बुफालो। अमेरिका में बर्फीले तूफान से कम से कम 34 लोगों की मौत हो गयी है, जबकि कई जगहों पर बर्फबारी में लोगों के फंसे होने से मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से कई इलाकों में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बत्ती गुल हो गयी। घरों एवं वाहनों पर बर्फ की मोटी परत बिछ गई है। तेज हवाओं की वजह से कई जगहों पर पेड़ गिर गए और बिजली की तारों को भी नुकसान पहुंचा है। तूफान की वजह से कनाडा के पास ग्रेट लेक्स से मैक्सिको की सीमा से लगे रियो ग्रांडे तक का इलाका प्रभावित हुआ है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, मौसम संबंधी सलाह या चेतावनी के दायरे में अमेरिका की करीब 60 प्रतिशत आबादी है और रॉकी माउंटेन के पूर्व से एपलाचियन तक तापमान सामान्य से काफी नीचे गिर गया है। विमानों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के मुताबिक, रविवार को करीब 1,707 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गईं। तूफान ने न्यूयॉर्क के बुफालो में सबसे ज्यादा तबाही मचायी है। आपात सेवाओं के अभियान भी बाधित हुए। बर्फ की मोटी परत बिछी होने के कारण शहर का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बंद कर दिया गया है। अमेरिका में अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों की मौत तूफान संबंधी घटनओं जैसे कार दुर्घटना, पेड़ गिरने आदि के कारण हुईं। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने बताया कि तूफान की वजह से बुफालो में आपात सेवा का अभियान ठप पड़ गया है। आपात सेवाओं के समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण न्यूयॉर्क के उपनगरीय चीकटोवागा में शुक्रवार को दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा एरी काउंटी के कार्यकारी मार्क पोलोंकार्ज ने बताया कि तूफान के कारण काउंटी में 10 और लोगों की मौत हो गई, जिनमें से छह की मौत बुफोलो में हुई। बुफालो नियाग्रा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा आज यानी सोमवार को बंद रहेगा। एंबुलेंस को पहुंचने में भी देरी हो रही है।

कोरोना से बुरी तरह जूझ रहे चीन ने ताइवान को घेर किया युद्धाभ्यास

एयर डिफेंस जोन का उल्लंघन कर भेजे 71 एयरक्राफ्ट

ताइपे (एजेंसी)। चीन की जनता इस समय कोरोनो वायरस के कहर से तड़प रही है। सड़को पर लाशें बिछी हुई हैं। अंतिम संस्कार के लिए 2-4 दिनों की वेटिंग चल रही है, अस्पतालों में लाखों लोग रोजाना दम तोड़ रहे हैं। इतने नाजुक हालात के बावजूद चीन जनता की फिक्र छोड़कर ताइवान और भारत पर निशाना साध रहा है। जहां एक तरफ तवांग में हाल ही में चीनी सेना ने घुसपैठ करने की कोशिश की वहीं जिसका करारा जवाब भारतीय सेना ने दिया। वहीं दूसरी चीन ताइवान पर अब फिर से हमला कर रहा है। चीन की सेना ने 24 घंटे तक शक्ति प्रदर्शन करते हुए इस दौरान ताइवान की ओर 71 विमान तथा सात पोत भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के शनिवार को ताइवान से संबंधित अमेरिकी वार्षिक रक्षा व्यय विधेयक पारित करने के बाद चीन ने यह कार्रवाई की। चीन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में इसे एक गंभीर राजनीतिक उकसावा करार देते हुए कहा था कि यह चीन के आंतरिक मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप है।

71 युद्धक विमान

चीन ने पिछले 24 घंटे में ताइवान की ओर भेजे

वहीं ताइवान ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि यह स्वशासित द्वीप के प्रति अमेरिका के समर्थन को प्रदर्शित करता है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रविवार सुबह छह बजे से सोमवार सुबह छह बजे के बीच ताइवान जलडमरूमध्य क्षेत्र में चीन के 47 विमान गुजरे। यह एक अनौपचारिक सीमा है, जिसे दोनों पक्षों ने मौन रूप से स्वीकार किया है। चीन ने ताइवान की ओर जो विमान भेजे उसमें, 18 जे-16 लड़ाकू विमान, 11 जे-1 लड़ाकू विमान, छह एसयू-30 लड़ाकू विमान और ड्रोन शामिल हैं। ताइवान ने कहा कि अपनी भूमि आधारित मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ अपने नौसैनिक पोतों के माध्यम से वह चीनी कार्रवाई पर नजर रख रहा है।

अमेरिका के उकासवे का चीन ने ताइवान पर हमला करके दिया जवाब

चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी ने रविवार को एक बयान में कहा, ''यह अमेरिका-ताइवान के उकसावे का जवाब है।'' उन्होंने कहा कि पीएलए ताइवान के आसपास के जल क्षेत्र में संयुक्त गश्त कर रहा है और संयुक्त युद्धाभ्यास कर रहा था। शी अमेरिकी रक्षा व्यय विधेयक का जिक्र कर रहे थे, जिसे चीन ने रणनीतिक चुनौती बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 858 अरब डॉलर के रक्षा विधेयक पर शुक्रवार को हस्ताक्षर कर उसे कानून का रूप दे दिया था। इसमें मुद्रास्फीति के प्रभाव को कम करने और चीन एवं रूस के प्रति देश की सैन्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए सांसदों से किये बाइडन के वादे से 45 अरब डॉलर अधिक शामिल है।

भारत और चीन ने प्रचंड को नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त होने पर बधाई दी

काठमांडू (एजेंसी)। भारत और चीन ने सोमवार को नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड को बधाई दी। प्रचंड (68) ने आश्चर्यजनक रूप से देउबा की पार्टी नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले पांच दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग होकर रविवार को राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित समय सीमा समाप्त होने से पहले सरकार गठन का दावा पेश किया था, जिसके बाद राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रचंड सोमवार को तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। 'माय रिपब्लिका' वेबसाइट की खबर के अनुसार माओइस्ट सेंटर के सचिव गणेश शाह ने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने सोमवार सुबह पार्टी कार्यालय में हुई बैठक के दौरान फोन पर प्रचंड को बधाई दी।

खबर में बताया गया है कि शाह ने कहा कि नेपाली कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी प्रचंड को बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रचंड को बधाई दी। मोदी ने ट्वीट किया, ÷नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त होने पर पुष्प कमल दहल प्रचंड को हार्दिक बधाई। भारत और नेपाल के बीच अद्वितीय संबंध लोगों के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव और गर्मजोशी पर आधारित हैं। मैं इस दोस्ती को और मजबूत बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की आशा करता हूं।÷ चीन ने भी प्रचंड को नेपाल का 44वां प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। काठमांडू स्थित चीन दूतावास के प्रवक्ता ने रविवार शाम प्रचंड की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति के तुरंत बाद ट्वीट किया, ÷नेपाल के 44वें प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति के लिए प्रचंड (पुष्प कमल दहल) को हार्दिक बधाई।

नेतन्याहू ने एलजीबीटी विरोधी विधेयकों को पारित नहीं करने का संकल्प लिया

येरुशलम (एजेंसी)। इजराइल के भावी प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकल्प लिया है कि उनकी गठबंधन सरकार एलजीबीटी के खिलाफ भेदभाव की अनुमति देने वाले विधेयकों को पारित नहीं करेगी। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी रविवार को उनके दो अति-दक्षिणपंथी सहयोगियों के बयानों के जवाब में की है जिसमें उन्होंने चिकित्सकों और व्यापार मालिकों को एलजीबीटी लोगों के साथ भेदभाव करने की अनुमति देने वाले कानूनों को पारित करने का संकल्प लिया था।

प्रो-सेटलर रिलिजियस जिओनिस्ट पार्टी के सांसद ओरिट स्ट्रूक ने एक साक्षात्कार में कहा उनकी पार्टी इजराइल के भेदभाव-विरोधी कानून को बदलने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पार्टी के एक अन्य सांसद सिम्चा रोटमैन ने बताया कि होटल और रेस्तरां जैसे निजी व्यवसायों के मालिकों को एलजीबीटीक्यू लोगों को सेवा देने से मना करने की अनुमति दी जाएगी अगर यह उनकी धार्मिक भावनाओं को नुकसान पहुंचाता है।

नेतन्याहू ने इस टिप्पणी के खिलाफ अपने सहयोगियों को फटकार लगाते हुए एक वीडियो बयान जारी किया और कहा कि यह टिप्पणी अस्वीकार्य है। नेतन्याहू के अनुसार गठबंधन समझौते एलजीबीटी के खिलाफ भेदभाव की अनुमति नहीं देते हैं या इज़राइल में किसी अन्य नागरिक के रूप में सेवाएं प्राप्त करने के उनके अधिकारों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। नेतन्याहू की नई गठबंधन सरकार के गुरुवार तक शपथ लेने की उम्मीद है।

इस्लामाबाद में बड़े हमले की आशंका, अमेरिका और इंग्लैंड ने अपने दूतावास के कर्मचारियों के लिए जारी किया अलर्ट

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बड़े हमले की आशंका जताई जा रही है। इस आशंका के मद्देनजर अमेरिका और इंग्लैंड ने अपने दूतावास के कर्मचारियों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। जानकारी के मुताबिक दोनों देशों ने अपने अधिकारियों से इस्लामाबाद के एक बड़े होटल में जाने से परहेज करने को भी कहा है। यह अलर्ट तब जारी किया गया है जब शहर में 2 दिन पहले भी आत्मघाती हमले हुए हैं। इसके बाद से इस्लामाबाद में हाई अलर्ट रखा गया है। इस हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी जबकि कई घायल बताए जा रहे थे। फिलहाल अमेरिका ने अपने कर्मचारियों और नागरिकों को किसी भी सार्वजनिक स्थल पर जाने से भी बचने को कहा है। अमेरिका की ओर से आशंका जताई गई है कि एक अज्ञात व्यक्ति छुट्टियों के दौरान हमने की योजना बना रहा है। पहले अमेरिका ने अपने नागरिकों को अलर्ट किया बाद में ब्रिटेन की ओर से भी अलर्ट जारी कर दिया गया। परामर्श के जरिये अमेरिकी कर्मियों को छुट्टियों के दौरान लोकप्रिय होटल की यात्रा करने से प्रतिबंधित किया गया है। अमेरिकी दूतावास ने सभी कर्मियों को छुट्टियों के दिनों में इस्लामाबाद की अनावश्यक यात्रा करने से बचने को कहा है। उल्लेखनीय है कि एक आत्मघाती हमलावर ने इस्लामाबाद स्थित मैरिएट होटल को सितंबर 2008 में निशाना बनाया था, जो राजधानी में हुए इस तरह के सर्वाधिक घातक हमलों में एक था।

अमेरिका से मिलने वाली आर्थिक मदद का भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकता पाकिस्तान

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान को फिर फंडिंग देने की घोषणा की है। इस बार पाकिस्तान को अफगान सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने को लेकर करोड़ों अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे। अमेरिका ने कहा है कि वह अफगान सीमा से पाकिस्तान में बढ़ रहे आतंकवादी हमलों को लेकर गंभीर है। इस रोकने के लिए वह पाकिस्तान के साथ साझेदारी को बढ़ाने को तैयार है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिका ने नए बजट में पाकिस्तानी सीमा की सुरक्षा के लिए आर्थिक मदद के विशेष प्रबंध किए हैं। इसके बाद से अंदाजा लगाया जा रहा है कि जो बाइडेन प्रशासन पाकिस्तान को दशकों से बंद फंडिंग को फिर से शुरू करने जा रहा है। इससे कुछ महीने पहले ही अमेरिका ने पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमानों के अपग्रेडेशन के लिए करोड़ों डॉलर का स्पेशल पैकेज दिया था। पाकिस्तानी विदेश मंत्री जरदारी ने कहा कि उन्हें अमेरिका की यात्रा के दौरान दो वरिष्ठ सीनेटरों ने पाकिस्तान को दी जाने वाली फंडिंग के बारे में जानकारी दी थी।

प्रचंड नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त अनिश्चितता का वातावरण समाप्त

काठमांडू (एजेंसी)। काठमांडु(ईएमएस)। नेपाल में 5 दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर आने के बाद सीपीएन-माओवादी सेंटर के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। पिछले माह हुए आम चुनावों में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत न मिल पाने के कारण देश में जारी अनिश्चितता का वातावरण के राजनीतिक घटनाक्रम के बाद समाप्त हो गया।

यह आश्चर्यजनक घटनाक्रम भारत और नेपाल के बीच संबंधों की दृष्टि से अच्छा नहीं है क्योंकि क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर प्रचंड और उनके मुख्य समर्थक केपी शर्मा ओली के रिश्ते पहले से ही नयी दिल्ली के साथ कुछ बेहतर नहीं हैं। राष्ट्रपति कार्यालय से यहां जारी एक बयान के अनुसार 68 वर्षीय प्रचंड को संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रपति ने प्रतिनिधि सभा के वैसे किसी भी सदस्य को प्रधानमंत्री पद का दावा पेश करने के लिए आमंत्रित किया था जो संविधान के अनुच्छेद 76(2) में निर्धारित दो या दो से अधिक दलों के समर्थन से बहुमत प्राप्त कर सकता हो। प्रचंड ने राष्ट्रपति द्वारा दी गई समय सीमा के समाप्त होने से पहले सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत किया था।

अनुच्छेद 76(2) के तहत गठबंधन सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रपति द्वारा दी गई समय सीमा समाप्त हो रही थी। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार नवनियुक्त प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार शाम 4 बजे होगा। सूत्रों ने बताया कि प्रचंड सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के प्रमुख राजेंद्र लिंगडेन सहित अन्य शीर्ष नेताओं के साथ राष्ट्रपति कार्यालय गये और सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल सीपीएन-एमसी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) और अन्य छोटे दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक यहां हुई जिसमें सभी दल प्रचंड के नेतृत्व में सरकार बनाने पर सहमत हुए। प्रचंड को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 168 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है जिनमें सीपीएन-यूएमएल के 78 सीपीएन-एमसी के 32 आरएसपी के 20 आरपीपी के 14 जेएसपी के 12 जनमत के 6 नागरिक तथा 3 निर्दलीय शामिल हैं।

तीसरी बार नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त प्रचंड को चीन का समर्थक माना जाता है। प्रचंड ने अतीत में कहा था कि नेपाल में बदले हुए परिदृश्य के आधार पर और 1950 की मैत्री संधि में संशोधन तथा कालापानी एवं सुस्ता सीमा विवादों को हल करने जैसे सभी बकाया मुद्दों के समाधान के बाद भारत के साथ एक नयी समझ विकसित करने की आवश्यकता है।

भारत व नेपाल के बीच 1950 की शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों का आधार बनाती है। हालांकि प्रचंड ने हाल के वर्षों में कहा था कि भारत और नेपाल को द्विपक्षीय सहयोग की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए इतिहास में अनिर्णित कुछ मुद्दों का कूटनीतिक रूप से समाधान किये जाने की आवश्यकता है। उनके मुख्य समर्थक ओली भी चीन समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में ओली ने पिछले साल दावा किया था कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण तीन क्षेत्रों- लिपुलेख कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्रों- को नेपाल के राजनीतिक मानचित्र में शामिल करने के कारण उन्हें सत्ता से बाहर किये जाने का प्रयास हुआ था।

इस विवादित मानचित्र के कारण दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो गये थे। लिपुलेख कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्र भारत का हिस्सा हैं। भारत ने 2020 में नेपाली संसद द्वारा नए राजनीतिक मानचित्र को मंजूरी देने के बाद पड़ोसी देश के इस कदम को अरक्षणीय करार दिया था। नेपाल 5 भारतीय राज्यों -सिक्किम पश्चिम बंगाल बिहार यूपी और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से अधिक की सीमा साझा करता है।

किसी बंदरगाह की गैर-मौजूदगी वाला पड़ोसी देश नेपाल माल और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर करता है। नेपाल की समुद्र तक पहुंच भारत के माध्यम से है और यह अपनी जरूरतों की चीजों का एक बड़ा हिस्सा भारत से और इसके माध्यम से आयात करता है। ग्यारह दिसंबर 1954 को पोखरा के निकट कास्की जिले के

धिकुरपोखरी में जन्मे प्रचंड करीब 13 साल तक भूमिगत रहे।

उन्होंने 1996 से 2006 तक सशस्त्र संघर्ष का नेतृत्व किया था जो अंततः नवंबर 2006 में व्यापक शांति समझौते पर हस्ताक्षर के साथ समाप्त हुआ। इससे पहले ओली के आवास बालकोट पर बैठक आयोजित हुई जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री ओली के अलावा प्रचंड तथा अन्य छोटे दलों के नेताओं ने प्रचंड के नेतृत्व में सरकार बनाने पर सहमति जताई। प्रचंड और ओली के बीच बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करने के लिए सहमति बनी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुनामी की 18वीं बरसी पर लोगों ने मौन जुलूस निकाला समुद्र में दूध-फूल पत्तियां डालकर परिजनों को दी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

चेन्नई । चेन्नई से कन्याकुमारी तक तटरेखा के किनारे रहने वाले लोगों ने समुद्र तट पर एक मौन जुलूस निकाला और समुद्र में दूध डालकर व फूल पत्तियां छिड़क कर अपने परिजनों को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी। साल 2004 में आई सुनामी की बरसी के मौके पर सोमवार को तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में एकत्र हुए लोगों ने मृतकों को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। सन 2004 में क्रिसमस मनाने के लिए वेलंकन्नी गए कई मछुआरों और आम लोगों की सुनामी की जानलेवा लहरों में मौत हो गई थी। नागपट्टिनम जिले में लगभग 6065 लोग मारे गए थे। यहां बड़ी संख्या में मछुआरों आम लोगों व्यापारियों और राजनीतिक दल के सदस्यों ने विशाल जुलूस निकाला और अक्करईपेट्टाई में दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सुनामी के दौरान कई बच्चे अनाथ हो गए थे और कुछ माता-पिता ने अपने बच्चों को खो दिया था। सुनामी की 18वीं बरसी के मौके पर कुड्डलोर थूथुकुडी और कन्याकुमारी के मछुआरों ने भी समुद्र में दूध डालकर और फूल पत्तियां छिड़ककर श्रद्धांजलि अर्पित की। नागौर में दरगाह के स्वामित्व वाली भूमि पर सामूहिक कब्रों पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दक्षिण भारतीय मछुआरा कल्याण संघ के अध्यक्ष के भारती के अनुसार कई स्थानों पर मोमबत्तियां जलाई गईं और पीड़ितों की तस्वीरों वाले बैनर और होर्डिंग्स लगाए गए।

बीएफ.7 के डर से बूस्टर डोज के लिए वैक्सीन सेंटरों पर लगने लगी लाइनें

नई दिल्ली । महाराष्ट्र समेत देश के अन्य तमाम राज्यों अब कोरोना की बूस्टर डोज लेने की लोगों में होड़ शुरू हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से भी जारी गाइडलाइन में कोरोना से बचाव के लिए बूस्टर डोज और मास्क को अहम बताया गया है। यही वजह है कि अब तक जो लोग बूस्टर डोज लगवाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे थे वे अब वैक्सीनेशन सेंटरों पर लाइनों में लगे हुए हैं। इस बीच सोमवार को सामने आए आंकड़ों में देश भर में बीते एक दिन में 196 केस मिलने की बात सामने आई है। इसके साथ ही देश में एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 3428 हो गई है। भारत में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4 करोड़ 46 के पार हो गई है। महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 530695 हो गया है। मंत्रालय के मुताबिक दैनिक संक्रमण दर 0.56 प्रतिशत दर्ज की गई है जबकि साप्ताहित संक्रमण दर 0.16 प्रतिशत थी। उसने बताया कि बीते 24 घंटों के दौरान कुल 35173 नमूनों की जांच की गई।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रूटीन चेकअप के लिए एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सोमवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीतारमण (63) को अस्पताल के एक निजी वार्ड में भर्ती कराया गया है। दोपहर करीब 12 बजे उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

निर्मला सीतारमण एम्स में भर्ती : भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, स्थिति की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने सोमवार को रॉयटर्स को बताया। नाम न छापने की शर्त पर सूत्र ने कहा, 'कुछ भी गंभीर नहीं है। वह ठीक हैं।' यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि उन्हें अस्पताल में क्यों भर्ती कराया गया था। वित्त मंत्रालय ने टिप्पणी के लिए रॉयटर्स के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

आपको बता दे कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा थी कि भारत को 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में मान्यता प्राप्त है क्योंकि देश सस्ती कीमत पर वैश्विक स्तर की दवा का उत्पादन करता है। सीतारमण ने यहां 'तमिलनाडु डॉ. एमजीआर चिकित्सा विश्वविद्यालय' के 35वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अफ्रीका में जेनेरिक दवाओं की कुल मांग का लगभग 50 प्रतिशत, अमेरिका की जेनेरिक दवाओं का 40 प्रतिशत और ब्रिटेन की सभी दवाओं में से 25 प्रतिशत की आपूर्ति करता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भारत आवश्यक टीकाकरण योजनाओं के लिए लगभग 60 प्रतिशत वैश्विक टीकों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के जरूरी टीकाकरण योजनाओं के लिए 70 प्रतिशत टीकों का उत्पादन करता है।

छत्तीसगढ़ : रात का बचा बासी भोजन खाने से 40 ग्रामीण बीमार, सभी की हालत खतरे से बाहर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक गांव में रात का बचा हुआ बासी भोजन अगले दिन खाने से 40 ग्रामीण बीमार हो गए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूरजपुर जिले के जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आर.एस. सिंह ने बताया कि जिले के रामानुजनगर विकासखंड के विशुनपुर गांव में बासी भोजन खाने से 40 ग्रामीण बीमार हो गए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिंह ने बताया कि विभाग को जानकारी मिली है कि विशुनपुर गांव में शनिवार रात को 'दशगात्र' का कार्यक्रम हुआ था, जिसमें भोज का आयोजन किया गया था। उन्होंने बताया कि भोज के बाद बड़ी मात्रा में भोजन बच गया था जिसे रविवार सुबह ग्रामीणों को परोसा गया था। सिंह ने बताया कि भोजन के बाद 40 ग्रामीणों को उल्टी—दस्त की शिकायत होने लगी। इसके बाद सभी को स्थानीय चिकित्सालय ले जाया गया। बाद में सभी बीमार ग्रामीणों को जिला चिकित्सालय भेजा गया। किसी व्यक्ति की मृत्यु के 10वें दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम को 'दशगात्र' कहते हैं। चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि बीमार ग्रामीणों में ज्यादातर महिलाएं हैं। सभी की हालत खतरे से बाहर है।

आईसीआईसीआई फॉड केस में सीबीआई ने कसा शिकंजा चंदा कोचर के बाद वेणुगोपाल धूत गिरफ्तार

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई बैंक फर्जीवाड़ा केस में केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने बड़ा एक्शन लेते हुए वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत को गिरफ्तार कर लिया है। वेणुगोपाल धूत की गिरफ्तारी 3250 करोड़ रुपए के लोन में कथित अनियमितता को लेकर की गई है। वीडियोकॉन समूह को यह कर्ज सन 2012 में आईसीआईसीआई बैंक ने दिया था। इससे पहले सीबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक की सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को गिरफ्तार किया था। इस मामले से जुड़े अधिकारी के अनुसार पिछले 4 साल के दौरान वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत से कई बार पूछताछ की जा चुकी है। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार करने का निर्णय उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर किया गया है। शनिवार को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को बैंक द्वारा स्वीकृत लोन में कथित धोखाधड़ी तथा अनियमितताओं से संबंधित एक मामले में 26 दिसंबर तक केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया था। उल्लेखनीय है कि जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि आईसीआईसीआई बैंक ने वेणुगोपाल धूत द्वारा प्रवर्तित वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम आरबीआई के दिशानिर्देशों और बैंक की लोन नियमों का उल्लंघन करते हुए 3250 करोड़ रुपए की लोन सुविधाएं मंजूर कीं।

हिंदुओं के पास उनकी गरिमा पर हमला करने वालों को जवाब देने का अधिकार है : प्रज्ञा ठाकुर

शिवमोगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने ''हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या'' की घटनाओं के मद्देनजर कहा है कि हिंदुओं को उन पर और उनकी गरिमा पर हमला करने वालों को जवाब देने का अधिकार है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से सांसद ठाकुर ने एक विवादास्पद बयान देते हुए समुदाय के सदस्यों से ''अपने घरों में चाकुओं को धारदार'' रखने को कहा, क्योंकि ''सभी को अपनी रक्षा करने का अधिकार'' है। ठाकुर ने कहा, ''लव जिहाद', उनकी जिहाद की परंपरा है। यदि कुछ नहीं है, तो वे 'लव जिहाद' करते हैं। यदि वे प्रेम भी करते हैं तो उसमें भी जिहाद करते हैं। हम (हिंदू) भी प्रेम करते हैं, हम भगवान से प्रेम करते हैं, संन्यासी अपने प्रभु से प्रेम करता है।''

राहुल गांधी ने कहा चीन-पाकिस्तान मिलकर आज नहीं तो कल भारत पर हमला कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि चीन और पाकिस्तान दोनों भारत के खिलाफ एकजुट हैं और देर-सबेर साथ मिलकर देश पर हमला कर सकते हैं। पूर्व सैनिकों के साथ बातचीत के दौरान गांधी ने कहा कि भारत ''बेहद नाजुक'' स्थिति में है और उसे अभी कदम उठाना चाहिए अन्यथा उसे ''भारी झटका'' लगेगा। राहुल ने रविवार को यूट्यूब के अपने चैनल पर इस बातचीत को साझा किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गलवान और डोकलाम में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़पें आपस में जुड़ी हुई थीं और पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत पर हमला करने की चीन की रणनीति का हिस्सा थीं, ऐसा देश जिसके साथ अब उसके आर्थिक संबंध भी हैं।

राहुल ने पांच मिनट के वीडियो में कहा, ''चीन और पाकिस्तान एक हो गए हैं और यदि युद्ध छिड़ा तो एक से नहीं, दोनों से होगा। देश को बहुत बड़ा झटका लगेगा। भारत अब बेहद नाजुक स्थिति में है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे देश में अशांति है, लड़ाई है, भ्रम है, घृणा है। हमारी मानसिकता अभी भी ढाई मोर्चों पर युद्ध की है। हमारी मानसिकता न तो संयुक्त अभियानगत संचालन की है और न ही साइबर युद्ध की।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''भारत अब बेहद नाजुक स्थिति में है।

चीन और पाकिस्तान दोनों हमें 'चकित' करने की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए मैं दोहराता रहता हूं कि सरकार चुप नहीं बैठ सकती।'' उन्होंने कहा कि सरकार को देश को बताना चाहिए कि सीमा पर क्या हुआ है। राहुल ने कहा, ''हमें जो भी कदम उठाना है, हमें अभी से शुरू करना होगा। दरअसल, हमें पांच साल पहले कार्रवाई करनी चाहिए थी, जो हमने नहीं की। अगर हम जल्द कार्रवाई नहीं करेंगे तो देश को नुकसान होगा।

जगनमोहन रेड्डी देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री ममता सबसे गरीब

हिमंता बिस्वा सरमा सबसे पढ़े-लिखे सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोगों के मन में राज्यों के मुख्यमंत्रियों की संपत्ति के बारे में जानने के लिए उत्सुकता रहती है। इसके लिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि देश में सबसे अमीर सीएम को हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। वहीं सबसे गरीब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। देश के सभी 30 मुख्यमंत्रियों की संपत्ति का विश्लेषण करने के बाद कुछ रोचक जानकारियां सामने आईं।

जगन रेड्डी की संपत्ति 370 करोड़ रुपये है जो सबसे अधिक है। इसमें विरासत में मिली संपत्ति के साथ-साथ हासिल की गई संपत्ति भी शामिल है। 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाले एकमात्र अन्य मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू हैं जो दूसरे नंबर पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 132 करोड़ रुपए है। सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 178.85 करोड़ रुपये है।

वहीं ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक देश के तीसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री की सूची में शामिल हैं। पटनायक की कुल संपत्ति 63 करोड़ 72 लाख रुपये है। वहीं पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी देश के चौथे सबसे अमीर सीएम हैं। इनकी कुल संपत्ति 37 करोड़ 24 लाख रुपये है। जबकि नागालैंड के सीएम नेफ्यू रियो देश के पांचवें सबसे अमीर सीएम हैं। इनकी कुल संपत्ति 28 करोड़ 14 लाख रुपये है।

वहीं देश के सबसे बड़े राज्य यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संपत्ति 1 करोड़ 56 लाख रुपये है। जबकि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की संपत्ति केवल 15 लाख रुपये है जो सभी मुख्यमंत्रियों में सबसे कम है। वहीं बिहार के सीएम नीतीश कुमार की भी संपत्ति एक करोड़ से कम है। नीतीश कुमार की संपत्ति 56 लाख रुपये है। सभी मुख्यमंत्रियों की संपत्ति उनके चुनावी हलफनामे के अनुसार बताई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी करोड़पति हैं। उनके पास एक करोड़ चार लाख रुपये की संपत्ति है। इसके साथ ही हिमंता देश के सबसे पढ़े लिखे मुख्यमंत्री हैं। उनके हलफनामे के अनुसार उनके पास फिलोसीफी में डॉक्टरेट राजनीति विज्ञान में एमए और कानून की डिग्री है।

गुलाम नबी आजाद का बड़ा बयान, स्थिति में सुधार होने तक कश्मीरी पंडितों को जम्मू स्थानांतरित किया जाए

लखनऊ (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद के एक बयान को लेकर केंद्र शासित प्रदेश में राजनीतिक जबरदस्त तरीके से हो रही है। दरअसल, गुलाम नबी आजाद ने स्थिति सामान्य होने तक कश्मीरी पंडितों को जम्मू भेजे जाने की बात की है। हालांकि, गुलाम नबी आजाद के इस बयान को लेकर अलग-अलग राजनीतिक दलों के लोगों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। अपने बयान में गुलाम नबी आजाद ने कहा कि हमारे समय में कश्मीरी पंडितों को कोई छेड़ता नहीं था। उन्होंने कहा कि अभी के लिए जान ज़्यादा जरूरी है लेकिन तब तक के लिए कश्मीरी पंडितों को जम्मू भेजना चाहिए। अभी नौकरी ज़्यादा जरूरी है या जान?

उसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार आएगी तो हम यही करेंगे। हाल में ही जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को आतंकवादियों की ओर से निशाना बनाया गया। इसके अलावा कश्मीरी पंडितों को आतंकवादियों की ओर से धमकी भी दी गई थी। इसी के संदर्भ में गुलाम नबी आजाद ने यह बड़ा बयान दिया है। अपनी अलग पार्टी बनाकर राज्य की राजनीति में खुद को स्थापित करने की कोशिश में गुलाम नबी आजाद ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दुर्भाग्य से कुछ घटनाएं हो गई हैं। जीवन प्राथमिकता में है और इसलिये मेरी राय है कि कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को जम्मू में सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाये। स्थिति में सुधार होने के बाद उनलोगों को वापस लौटना चाहिये।

कांग्रेस के पूर्व नेता ने कहा कि कहा कि जीवन रोजगार से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और केंद्रशासित प्रदेश में उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर ऐसा कदम उठाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि सरकार का रुख क्या है, लेकिन अगर हमारी पार्टी सत्ता में आती है तो हम ऐसा (अस्थायी तौर पर कर्मचारियों को जम्मू स्थानांतरित) करेंगे। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने में देरी के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पिछले छह साल से इंतजार कर रहे हैं। मैंने संसद में भी कई बार इस मुद्दे को उठाया। वे हमें पंचायत चुनाव या डीडीसी चुनाव दिखाते हैं, लेकिन असली चुनाव विधानसभा का होता है, जो नहीं हो रहा है।

लालू यादव के खिलाफ सीबीआई ने फिर खोला रेलवे प्रोजेक्ट्स के आवंटन में भ्रष्टाचार का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सीबीआई ने रेलवे प्रोजेक्ट्स के आवंटन में भ्रष्टाचार के मामले को फिर से खोल दिया है। केंद्रीय एजेंसी के इस फैसले से बिहार का सियासी तापमान बढ़ सकता है। उल्लेखनीय है कि जनतादल यूनाइडेट (जेडीयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ जाने के बाद इस कार्रवाई को राजनीतिक नजरिए से देखा जाना तय है। यूपीए के पहले कार्यकाल के दौरान लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे और उसी दौरान रेलवे के प्रोजेक्ट्स के अलॉटमेंट में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इस मामले की जांच सीबीआई ने 2018 में शुरू की थी। इसके बाद इस जांच को मई 2021 में बंद कर दिया गया था। सीबीआई ने तब कहा था कि आरोपों के आधार पर फिलहाल कोई मामला नहीं बनता है।

लालू यादव के अलावा उनके पुत्र बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव बेटियों चंदा यादव और रागिनी यादव को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। सीबीआई ने इस केस को नीतीश कुमार ने पाला बदलने के कुछ माह बाद ही खोलने का फैसला लिया गया है। नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़कर एक बार फिर राजद का हाथ थाम लिया है। भाजपा और नीतीश के नेतृत्व वाली जेडीयू के बीच पिछले काफी समय से संबंध असहज चल रहे थे। नीतीश का आरोप था कि भाजपा राज्य में उनकी पार्टी को तोड़कर अपना आधार विकसित करने का प्रयास कर रही है। इसी वजह से उन्होंने भाजपा से दूरी बनाते हुए राजद के साथ जाने में ही भलाई समझी।

इस मामले में आरोप है कि लालू यादव को डीएलएफ ग्रुप की ओर से दक्षिण दिल्ली में एक प्रॉपर्टी घूस के तौर पर दी गई थी। यह रिश्वत मुंबई के बांद्रा में रेल लैंड लीज प्रोजेक्ट और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सुधार के तौर पर दिए जाने का आरोप है। इस संपत्ति को डीएलएफ की ओर से फंड की गई शेल कंपनी ने मार्केट रेट से काफी कम दाम पर खरीदा था। इसके बाद इस शेल कंपनी को तेजस्वी यादव की ओर से खरीदे जाने का आरोप है। इस डील में यादव परिवार के कुछ और सदस्य शामिल थे। इस डील के जरिए ही दक्षिण दिल्ली में स्थित बंगले का मालिकाना हक यादव परिवार के पास चला गया।

प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल: चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात होगा भारत का खतरनाक हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों के लिए 120 प्रलय सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल खरीदने की एक परियोजना को मंजूरी दे दी है। प्रलय सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल को पाकिस्तान और चीन सीमा पर तैनात किया जाएगा। भारत के इतिहास में यह पहली बार है कि सामरिक संचालन में उपयोग के लिए सरकार द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों को मंजूरी दी गई है।

चीन-पाक बॉर्डर पर तैनात होंगी भारत की प्रलय मिसाइलें

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया, 'रॉकेट बल बनाने की परियोजना को बढ़ावा मिला है क्योंकि लगभग 120 प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल खरीदने के प्रस्ताव को उच्च स्तरीय रक्षा मंत्रालय की बैठक से मंजूरी मिल गई है।' उन्होंने कहा कि मिसाइलों का अब बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है और निकट भविष्य में परिचालन सेवा के लिए तैयार होने की उम्मीद है। यह परियोजना सामरिक रॉकेट बल विकसित करने के सशस्त्र बलों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगी, जैसा कि दिवंगत चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने वकालत की थी।

चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात होगा भारत का खतरनाक हथियार

हाल ही में, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा था कि दिवंगत जनरल बिपिन रावत सीमा पर दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए एक रॉकेट बल के निर्माण पर काम कर रहे थे। पिछले दिसंबर में लगातार दो दिनों में इस मिसाइल का दो बार सफल परीक्षण किया गया था और तब से बल इसके अधिग्रहण और शामिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रलय, जिसकी रेंज 150 से 500 किलोमीटर है, एक ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर और अन्य नई तकनीकों द्वारा संचालित है।

मिसाइल मार्गदर्शन प्रणाली में अत्याधुनिक नेविगेशन और एकीकृत वैमानिकी शामिल है। सूत्रों ने कहा, 'प्रलय एक अर्ध-बैलिस्टिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है। उन्नत मिसाइल को इंटरसेप्टर मिसाइलों को हराने में सक्षम होने के लिए विकसित किया गया है। इसमें हवा में एक निश्चित दूरी तय करने के बाद अपना रास्ता बदलने की क्षमता है।' सूत्रों ने आगे कहा कि इस तरह की मिसाइलें अपने सैनिकों को दुश्मन के हवाई रक्षा स्थलों या इसी तरह के उच्च मूल्य वाले लक्ष्यों को पूरी तरह से नष्ट करने या बाहर निकालने की जबरदस्त क्षमता देती हैं।

केजरीवाल सरकार की इस योजना से मिल सकते हैं 51000 रुपये

नई दिल्ली । सरकारी कामकाज और योजनाओं का श्रमिकों और कामगारों को लाभ पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से दिल्ली श्रमिक मित्र योजना की शुरुआत की गई है। पूरे साल श्रमिकों द्वारा नियमित परिश्रम किया जाता है इसके लिए आवश्यक है कि उन्हें सरकारी योजना का भी लाभ मिले और उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में नवंबर 2021 में इस योजना की शुरुआत की गई थी। इसके अलावा दिल्ली सरकार की तरफ से इन श्रमिकों और कामगारों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। इस योजना का वही लाभ ले सकते हैं जो श्रमिक दिल्ली के स्थाई निवासी हो इसके अलावा दिल्ली निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में व्यक्ति का पंजीकरण होना चाहिए और उसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। आवश्यक दस्तावेज के लिए निवास प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र आधार कार्ड राशन कार्ड फोटो बैंक पासबुक मोबाइल नंबर का सही विवरण देना होगा। इसके लिए अभी तक ऑफलाइन व्यवस्था के माध्यम से दिल्ली निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड से श्रमिकों को फॉर्म लेना होगा जिस फॉर्म पर सही विवरण और जानकारी और आवश्यक दस्तावेजों के साथ उसे भरकर निर्धारित समय में श्रमिक कल्याण बोर्ड में ही जमा करना होगा। जिसके बाद विभाग द्वारा लाभार्थी श्रमिकों की सूची तैयार की जाएगी।

40 करोड़ ट्विटर यूजर्स का डेटा डार्क वेब पर बिक्री के लिए उपलब्ध इसमें आईबी मंत्रालय का डेटा भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के लगभग 40 करोड़ यूजर्स का डेटा हैकर ने चोरी कर लिया है। उसने यह डेटा डार्क वेब पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराया है। चोरी हुए डाटा में यूजर्स के नाम ईमेल आईडी फॉलोअर्स की संख्या और यूजर्स के फोन नंबर तक शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डाटा लीक में भारतीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अकाउंट्स का डाटा भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले ट्विटर के करीब 5.4 मिलियन यानी 54 लाख यूजर्स का निजी डाटा लीक हुआ था। हैकर्स ने हाई प्रोफाइल लोगों के साथ सलमान खान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई स्पेस एक्स और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) आदि अकाउंट्स का डेटा भी चोरी किया है। हैकर ने अपनी पोस्ट में लिखा है ट्विटर या एलन मस्क जो भी ये पढ़ रहें हैं आप पहले ही 5.4 करोड़ से अधिक यूजर्स के डेटा लीक होने पर जीडीपीआर के जुर्माने का रिस्क झेल रहे हैं। ऐसे में आप अब 40 करोड़ यूजर्स का डेटा लीक होने के जुर्माने के बारे में सोचिए। इसके साथ ही हैकर ने कहा कि वह किसी बिचौलिए के जरिए डील करने के लिए तैयार है। इस बीच विशेषज्ञों ने कहा कि डेटा लीक एपीआई में आई किसी कमी की वजह से हो सकता है।

हैकर ने बिचौलिए के जरिए चोरी किए गए डेटा को बेचने की पेशकश की है। विशेषज्ञों का कहना है कि एपीआई में कोई कमी होने के कारण डाटा लीक हो सकता है। हाल ही में ट्विटर के पूर्व सुरक्षा प्रमुख योएल रोथ ने मस्क की लीडरशिप में ट्विटर को असुरक्षित बताया था और यूजर्स के डाटा पर भी खतरा बताया था। उन्होंने कहा था कि सेफ्टी को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के पास पर्याप्त स्टाफ नहीं है। कंपनी ने अपने ज्यादातर कर्मचारियों का बर्खास्त कर दिया है जिससे यूजर्स के डेटा पर खतरा बढ़ सकता है।

डेटा लीक का यह मामला पहला नहीं है। इससे पहले भी ट्विटर के 5.4 करोड़ यूजर का डेटा हैकर्स ने चोरी कर लिया था। जानकारी के मुताबिक इस डेटा को इंटरनल बग के चलते चोरी किया गया था। फिलहाल इस डेटा लीक की जांच चल रही है जिसकी घोषणा आयरलैंड के डेटा प्रोटेक्शन कमीशन (डीपीसी) ने की थी।

अमेरिका के फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) ने ट्विटर के प्राइवेसी और डेटा सिक्योरिटी के मैथड की जांच बढ़ा दी है। दरअसल इस बात की आशंका पहले से ही थी कि ट्विटर अमेरिकी रेगुलेटर के साथ हुए एक समझौते का पालन करने में नाकाम हो सकता है जिसमें कंपनी ने अपने प्राइवेसी से जुड़े सिस्टम्स में सुधार करने की सहमति दी थी। का डेटा हैकर्स चुरा रहें हैं। प्राइवेसी में सुधार न होने की वजह से ही लोगों

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पठान फिल्म विवाद

सूरत में हिन्दू संगठनों ने थिएटर के बाहर लगे पोस्टर फाड़ विरोध किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,बोलीवुड की फिल्म 'पठान' के रिलीज होने के आडे एक महीना है और उससे पहले फिल्म का विरोध लगातार बढ़ रहा है। खासकर शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण पर फिल्माए गए 'बेशर्म रंग' गीत सामने आने के बाद विरोध और तेज हो गया है।

सूरत के कामरेज में आज विश्व हिन्दू परिषद समेत हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन किया।

हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सिनेमा होल के बाहर लगे पठान फिल्म के पोस्टरों को फाड़ अपना विरोध प्रदर्शित किया। थिएटर में लगे पोस्टरों को लेकर हिन्दू संगठनों ने पहले ही चेतावनी दी थी। इसके बावजूद थिएटर में पठान फिल्म के पोस्टर लगाए गए थे। जिससे हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता सूरत के कामरेज स्थित थिएटर में घुस गए और पोस्टरों को फाड़ना शुरू कर दिया। विश्व हिन्दू परिषद ने पहले भी तहसीलदार को ज्ञापन देकर पठान फिल्म के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया था।

हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि पठान फिल्म के विरोध को लेकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। लोगों से कहा जा रहा है कि हिन्दू संगठनों को शाहरुख खान के साथ मतभेद है इसलिए पठान फिल्म का विरोध कर रहे हैं।

जबकि सच यह है कि अभिनेता शाहरुख खान से हमें कोई शिकायत नहीं है। लेकिन फिल्म में जिस प्रकार भगवा रंग की बिकनी पहनकर 'बेशर्म रंग' गीत के जरिए हिन्दू धर्म की भावनाओं को आहत किया गया है उसका हिन्दू संगठन विरोध कर रहे हैं। हिन्दू संगठनों की गुजरात सरकार और केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह पठान फिल्म पर प्रतिबंध लगाए।

गुजरात में बेटी का अश्लील वीडियो वायरल करने का विरोध करने पर जवान की पीट-पीटकर हत्या

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नडियाद,गुजरात के नडियाद में बेटी का अश्लील वीडियो वायरल करने का विरोध करने पर सीमा सुरक्षा बल के एक जवान की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। सूत्रों के अनुसार मृतक शख्स शनिवार को चकलासी गांव में कथित तौर पर ऑनलाइन वीडियो पोस्ट करने वाले १५ वर्षीय लड़के के घर गया था। जहां लड़के परिवार वालों ने उसके ऊपर हमला कर दिया और पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी।

सूत्रों के अनुसार लड़की उसी स्कूल की छात्रा है जिसमें लड़का पढ़ता है और दोनों के ही बीच प्रेम संबंध थे। लेकिन लड़के ने लड़की का एक अश्लील वीडियो ऑनलाइन पोस्ट किया था जिसके बाद बीएसएफ जवान अपने परिवार के साथ लड़के के परिवार से बात करने गया था सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है। पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में शनिवार रात बताया गया है कि जवान अपनी पत्नी दो बेटों और भांजे के साथ किशोरी के घर गया था। लेकिन उसके परिवार के सदस्यों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो लोगों ने उनके परिवार पर हमला कर दिया।

रामपुरा की सरकारी स्कूल में लोहे का प्रवेश द्वार गिरने से 8 वर्षीय छात्रा की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दाहोद,शहर के निकट रामपुरा स्थित सरकारी स्कूल में लोहे से बना प्रवेश द्वार गिरने से 8 वर्षीय छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान छात्रा की मौत हो गई। दाहोद तहसील पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक दाहोद तहसील के रामपुरा गांव निवासी नरेश लल्लुभाई मोहनिया की 8 वर्षीय बेटी अस्मिता गत 20 दिसंबर को स्कूल में पढ़ने गई थी। उस दिन शाम करीब साढ़े चार बजे अस्मिता पर स्कूल का प्रवेश द्वार के पास खड़ी थी। उस वक्त लोहे से बना प्रवेश द्वार अचानक अस्मिता पर गिर गया। इस हादसे में अस्मिता गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्मिता को गंभीर चोट लगने की वजह से अहमदाबाद के अस्पताल में भेजा गया। जहां उपचार के दौरान अस्मिता ने दम तोड़ दिया।

कोरोना की आशंका के चलते स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जानेवाले सैलानियों के लिए गाइडलाइन जारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,गुजरात में एक ओर ठंड का प्रमाण बढ़ रहा है दूसरीओर कोरोना के नए वेरिएन्ट की आशंका ने परेशान कर रखा है। हांलाकि गुजरात में कोरोना के नए मामले नहीं बढ़ रहे इसके बावजूद ऐहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से भीड़भाड़ से बचने और मास्क लगाने की अपील कर दी है। दूसरी ओर ठंड के मौसम में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जाने का प्लान बना रहे लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला किया गया है। कोरोना की आशंका को देखते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में सैलानियों के लिए गाइडलाइन जारी कर दी गई है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दीदार करने देश-विदेश से प्रति दिन हजारों लोग आते हैं। जिसके देखते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी प्रशासन भी एक्शन में आ गया है और सैलानियों से कोविड नियमों का पालन करने का फरमान कर दिया है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आनेवाले प्रत्येक सैलानी को मास्क लगाना अनिवार्य होगा। साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का भी कड़ाई से पालन करना होगा। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी ने एक ट्वीट कर यह जानकारी दी है। वैसे तो गुजरात में कोरोना के नए मामलों की संख्या नहीं के बराबर है। इसके बावजूद पहले के मुकाबले संख्या बढ़ रही है। गुजरात में बीते दिन रविववार को कोरोना के 3 नए मामले में सामने आए थे। जिसमें अहमदाबाद में 1 और वडोदरा में 2 केस दर्ज हुए थे। जबकि अहमदाबाद में 1 व्यक्ति को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था। राज्य में अब तक कोरोना से 1266463 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 11043 लोगों की मौत हो गई। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 99.13 प्रतिशत है।

एएमसी संचालित प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की कमी से विद्यार्थी रामभरोसे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद, शहर की महानगर पालिका संचालित प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की कमी का असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर हो रहा है। लंबे समय से शिक्षकों की कमी के बावजूद रिक्त जगहें भरी नहीं जा रही है। अंग्रेजी माध्यम की 85 प्रतिशत और हिन्दी माध्यम की स्कूलों में 45 प्रतिशत स्थायी शिक्षकों की कमी है। इसके बावजूद इन स्कूलों में कक्षा 1 से कक्षा 5 के विद्यार्थियों को शिक्षकों की कमी के साथ चलाया जा रहा है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने बताया कि अहमदाबाद महानगर पालिका संचालित स्कूलों में स्थायी शिक्षकों की कमी है। कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के शिक्षकों का आंकड़ा सामने आया है। कक्षा 1 से 5 तक की अंग्रेजी माध्यम की 54 स्कूलें हैं और इनमें से 36 स्कूलों में एक भी स्थायी शिक्षक नहीं है। स्कूल बोर्ड की अंग्रेजी माध्यम की 54 स्कूलों में 8088 विद्यार्थियों के बीच केवल 39 स्थायी शिक्षक हैं। अंग्रेजी माध्यम की स्कूलों में 255 शिक्षक होने चाहिए लेकिन केवल 39 शिक्षक हैं। यानी 216 स्थायी शिक्षकों की कमी है। विज्ञापनों पर लाखों रुपए खर्च करने वाले महानगर पालिका प्रशासन को गरीब सामान्य वर्ग के बच्चों के भविष्य की जरा भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि हिन्दी माध्यम की स्कूलों की स्थिति भी काफी दयनीय है। हिन्दी माध्यम की स्कूलों में विद्यार्थी स्थायी शिक्षकों के बजाए प्रवासी शिक्षक के भरोसे हैं। कई स्कूलों में तो एक भी स्थायी शिक्षक नहीं होने का खुलासा हुआ है। एक ओर स्मार्ट स्कूल और अंग्रेजी शिक्षा के दावे किए जाते हैं और दूसरी ओर बगैर शिक्षक के स्कूल चलाई जा रही है। अहमदाबाद में हिन्दी माध्यम की कक्षा 1 से कक्षा 5 की 54 स्कूलें हैं और इसमें 16964 विद्यार्थियों के लिए 459 के बजाए केवल 247 शिक्षक हैं। हिन्दी माध्यम की स्कूलों में 212 शिक्षकों की कमी है और 4 स्कूलों में तो एक भी स्थायी शिक्षक नहीं है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद जैसी मेगा सिटी में अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम के स्कूलों की स्थिति काफी खराब है। अब तक सुना था आदिवासी क्षेत्रों की स्कूलों में शिक्षकों की कमी है लेकिन अब स्मार्ट सिटी की स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। ऐसे में ग्रामीण इलाकों की स्कूलों की हालत कितनी बद्तर होगी? इसका सरकार जवाब दे। इससे स्पष्ट है कि सरकार बच्चों के भविष्य को लेकर गंभीर नहीं है। सरकार को चाहिए कि जल्द से जल्द प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती करे।

नए साल के दस्तक के पहले गुजरात में बढ़ी ठंड 1-2 डिग्री और गिरेगा तापमान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,नए वर्ष की दस्तक से पहले गुजरात में ठंड ने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और इसके आगामी समय तक जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य के तापमान में एक-दो डिग्री और गिरने की संभावना है। कच्छ जिले में शीतलहर चलेगी लेकिन नए वर्ष के प्रारंभ से राज्यभर में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। आज कच्छ जिले का नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर रहा। जहां न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं पाटण में 9 डिग्री डीसा में 9 डिग्री राजकोट में 10 डिग्री भुज में 10 डिग्री गांधीनगर में 11 डिग्री और अहमदाबाद में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास दर्ज हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी तीन दिनों के दौरान राज्यभर में ठंड का प्रमाण बढ़ेगा। कच्छ के कई इलाकों में शीतलहर चलेगी। कच्छ के नलिया का ठंड का पारा और गिर सकता है।

भारतीय जल सीमा से 300 करोड़ के ड्रग्स और हथियारों समेत पाकिस्तानी बोट पकड़ी गई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस को बड़ी सफलता मिली है। भारतीय जल सीमा में घुसी एक पाकिस्तानी बोट सुरक्षा एजंसियों ने पकड़ी है। जिसमें 300 करोड़ के ड्रग्स के अलावा हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। बोट में सवार 10 शख्सों को भी गिरफ्तार किया गया है। पूर्व सूचना के आधार पर 25 और 26 कि दरम्यानी रात को काल्पनिक अंतर्राष्ट्रीय मेरिटाइम बोर्डर लाइन (आईएमबीएल) के निकट अरिंजय जहाज को गश्त के लिए लगाया गया था। 26 दिसंबर के तड़के एक पाकिस्तानी फिशिंग बोट अल सोहेली भारतीय जल सीमा में संदिग्ध रूप से घमते देख कोस्ट गार्ड ने उसे पकड़ लिया। बोट की जांच में 40 किलो ड्रग्स जिसकी कीमत रु 300 करोड़ बताई गई है। इसके अलावा बोट से हथियार और गोला बारूद भी बरामद हुआ। जिसके बाद पाकिस्तानी बोट में सवार सभी 10 शख्सों को गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि भारतीय कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस का पिछले 18 महीने में यह सातवां ऑपरेशन है। गुजरात में ड्रग्स तस्करी की घटनाएं सामने आने के बाद एटीएस काफी सतर्क हो गई है। बीते 18 महीने के दौरान 44 पाकिस्तान और 7 ईरानी समेत 51 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही रु 1930 करोड़ कीमत का 346 किलो ड्रग्स भी जब्त किया गया है।

गुजरात एटीएस और भारतीय कोस्टगार्ड ने पाकिस्तान के नापाक इरादों पर फेरा पानी 10 शख्स गिरफ्तार

शाहरुख की फिल्म 'पठान' राजपूत समाज ने किया विरोध जामनगर कलेक्टर को दिया ज्ञापन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जामनगर,शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अभिनित फिल्म 'पठान' का देशभर में विरोध हो रहा है। खासकर फिल्म का गीत 'बेशर्म रंग' के बाद हिन्दू संगठनों ने फिल्म का विरोध तेज कर दिया है और लोगों से इसका बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं। पठान फिल्म के इस गीत में दीपिका भगवा बिकिनी में नजर आ रही है जिसकी वजह से हिन्दू संगठनों में जबर्दस्त आक्रोश है। आज जामनगर में राजपूत समाज ने इस फिल्म का कड़ा विरोध किया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर इसके प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की। राजपूत समाज ने चेतावनी दी है कि पठान फिल्म से हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करने वाले दृश्यों और शब्दों को हटाया नहीं गया तो राजपूत समाज सनातम धर्म की आन बान और शान के लिए संवैधानिक तरीके से फिल्म का विरोध और बहिष्कार करेंगे।

विरोध और बहिष्कार की संपूर्ण जिम्मेदारी इस फिल्म के निर्माता और शाहरुख खान की होगी। इसलिए ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए पठान फिल्म को प्रदर्शित होने से रोकने के लिए उचित कार्यवाही करने की कलेक्टर से मांग की है। जामनगर जिले कलेक्टर ज्ञापन देने वालों में राजपूत समाज के भरतसिंह जाडेजा प्रवीणसिंह झाला समेत वरिष्ठ लोग मौजूद रहे।

एमएसयू में नमाज पढने के मुद्दे पर बोले विजयवर्गीय कहा- शिक्षा क्षेत्र में ऐसी घटनाएं से बचना चाहिए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,शहर की महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी (एमएसयू) स्थित संस्कृत महाविद्यालय के गेट पर एक युवक और युवती द्वारा नमाज पढ़ने की घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने इस मुद्दे पर कहा कि शिक्षा का क्षेत्र बहुत पवित्र क्षेत्र है इन स्थानों पर ऐसी घटनाओं से बचना चाहिए। बता दें कि वडोदरा की एमएस यूनिवर्सिटी के संस्कृत महाविद्यालय के गेट के निकट एक युवक और युवती का नमाज पढ़ते हुए वीडियो वायरल हुआ था। इस घटना को लेकर विश्व हिन्दू परिषद ने कड़ा विरोध किया था। विश्व हिन्दू परिषद के सहमंत्री कार्तिक जोशी ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन से पूरी घटना की जांच कराने की मांग की है। इस बीच आज वडोदरा के समा इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रतियोगिता शुरू हुई है। इसके उदघाटन के मौके पर वडोदरा पहुंचे कैलाश विजयवर्गीय ने एमएस यूनिवर्सिटी की घटना पर कहा कि शिक्षा का क्षेत्र काफी पवित्र स्थान है। जहां इस प्रकार की घटनाओं से बचना चाहिए।

डीईओ का अहमदाबाद जिले की सभी स्कूलों में मास्क अनिवार्य करने का आदेश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,चीन समेत दुनिया के कई देशों में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए भारत सरकार भी हरकत में आ गई है। अहमदाबाद समेत गुजरातभर में कोरोना की किसी भी स्थिति निपटने की तैयारियां तेज हो गई हैं। अहमदाबाद कोरोना की संभावितलहर को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों को कड़ा आदेश दिया है। जिसमें सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के मास्क लगाने और पुरानी एसओपी का पालन करने का आदेश है। साथ ही स्कूलों में भीड़ जमा ना हो और कोई बड़े कार्यक्रम का आयोजन नहीं करने का आदेश दिया है। दूसरी ओर खबर है कि राज्य की 32 हजार प्राथमिक स्कूलों में कोविड गाइडलाइन का पालन किया जाएगा।

राज्य के शिक्षा विभाग ने जिलास्तर पर सभी मौखिक आदेश जारी कर दिया है। साथ ही जिलेवार शिक्षा अधिकारी गाइडलाइन के अमलीकरण के लिए परिपत्र जारी करेंगे। जिसमें सैनिटाइजरमास्क और सोशल डिस्टेंस का पालन अनिवार्य होगा। बता दें कि इससे पहले अहमदाबाद नगर प्राथमिक शिक्षा समिति संघ के प्रमुख मनोज पटेल ने अहमदाबाद की स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 50 प्रतिशत करने की मांग की थी। मनोज पटेल ने कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिए पहले से सतर्कता और सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी है और इसलिए 1 जनवरी 2023 में स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 50 प्रतिशत की जाए।